www.navpradesh.com
दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 7 | कारोबार/खेल

RNI NO - MPHIN/2017 /72749 भोपाल, रविवार 2 अगस्त 2026 , कृष्ण पक्ष -चतुर्थी विक्रम संवत -2083, वर्ष -10 अंक-93 पृष्ठ -08 मूल्य-4 भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

प्रीति-जैस्मिन-सोमन ने जीते गोल्ड, जादुमणि को सिल्वर, भारत को अब तक 8 स्वर्ण पदक

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत मेडल टैली में छठे स्थान पर पहुंचा

ग्लासगो/ए.। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने आठवां गोल्ड मेडल जीत लिया है। जैस्मिन लांबोरिया ने विमेंस बॉक्सिंग की 57 केजी, प्रीति पवार ने 54 केजी कैटेगरी और सोमन राणा ने पैरा शॉटपुट में गोल्ड जीता। वहीं, मेंस 55 केजी कैटेगरी में जादुमणि सिंह को ऑस्ट्रेलिया के जाई डिकस्न से हारकर सिल्वर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

प्रीति ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी

हरियाणा की बॉक्सर प्रीति ने 2022 एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और 2023 एशियन गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता। प्रीति 2024 पेरिस ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। 2026 एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता, जबकि 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में भी गोल्ड अपने नाम किया। प्रीति की ट्रेनिंग एनएस एनआईएस पटियाला में होती है।

रवीना गायकवाड़ डिस्क्वालिफाई

महिलाओं की 10,000 मीटर रेस वॉक फाइनल में भारत की रवीना गायकवाड को डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। उन्हें रेस वॉकिंग नियमों के उल्लंघन के लिए तीन रेड कार्ड मिले, जिसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया। कॉमनवेल्थ में उनसे मेडल की उम्मीद थी।

08	15	07
गोल्ड मेडल	सिल्वर मेडल	ब्रांज मेडल

दिनभर में कुल 44 गोल्ड मेडल इवेंट्स

बॉक्सिंग के अलावा भारत के खिलाड़ी एथलेटिक्स, पैरा एथलेटिक्स, जूडो, ट्रैक साइक्लिंग और लॉन बॉल्स में भी पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। दिनभर में कुल 44 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स के 19, बॉक्सिंग के 14, ट्रैक और पैरा ट्रैक साइक्लिंग के 6 और जूडो के 5 फाइनल शामिल हैं।

शनमुगम सातवें स्थान पर रहे

पैरा एथलेटिक्स में पुरुष 1500 मीटर टी-54 के फाइनल में भारत के रमेश शनमुगम सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने 3:23:59 मिनट का समय लिया।

ट्रिपल जंप का फाइनल जारी

मेंस ट्रिपल जंप का फाइनल जारी है। भारत के सेल्वा प्रभु थिरुमारन और प्रवीण चित्रावले इस इवेंट में दावेदारी पेश कर रहे हैं। सेल्वा का पहला अटैम्प्ट 15.87 मीटर का रहा और वह फिलहाल पांचवें स्थान पर हैं। वहीं, प्रवीण का पहला अटैम्प्ट 16.05 मीटर का रहा। वह चौथे स्थान पर हैं।

नीरज चोपड़ा ने जीता सिल्वर

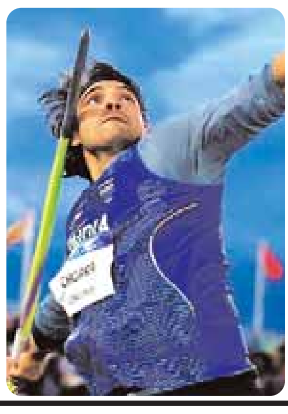

शुक्रवार को कॉमनवेल्थ गेम्स के आठवें दिन भारत ने कुल 6 मेडल जीते। सभी की नजरें नीरज चोपड़ा पर थी, जिन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 85.83 मीटर का थ्रो किया। यशवीर सिंह ने ब्रोंज जीता, जिन्होंने 85.41 मीटर का अपना पर्सनल बेस्ट थ्रो किया। नीरज ने भी यशवीर की तारीफ की। स्पर्धा में श्रीलंका के रुमेश पथिराजे ने गोल्ड मेडल जीता, जिन्होंने 89.75 मीटर का थ्रो किया।

आज बेबाक

जिसका नाम ही पप्पू हो वह पप्पूगिरी नहीं तो और क्या करेगा? संसद परिसर में पप्पू यादव ने भगवा धारण कर साधु के वेश में जो शैतानी की है और भगवान श्रीराम के चित्र का अपमान किया है वह अक्षम्य है। उसके इस कुकृत्य पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के सांसद न सिर्फ खीसें निपोर रहे थे बल्कि इस नौटंकी के पात्र भी बने थे। इन कालनेमियों ने अपना असली चेहरा दिखा दिया है। इन्हें सबक नहीं सिखाया गया तो कल को पप्पू पगलेट संसद परिसर में पता नहीं और क्या करेगा? इसकी संसद सदस्यता तत्काल खत्म की जानी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में पहलगाम जैसा हमला, दोनों श्रमिक छत्तीसगढ़ के निवासी, सीएम साय ने किया मुआवजे का ऐलान

आतंकियों ने ईंट भट्ठा मजदूरों के नाम पूछे 2 हिंदुओं को अलग करके गोली मारी, मौत

श्रीनगर/ए.। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में शुक्रवार रात पहलगाम जैसा हमला हुआ। आतंकवादियों ने ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे 2 हिंदू मजदूरों को नाम पूछकर गोली मार दी। दोनों मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे।

हमले में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, दूसरे ने शनिवार सुबह श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मारे गए युवकों की पहचान 24 साल के दीपक रात्रे और 28 साल के भूपेंद्र भैना के रूप में हुई है।

भट्ठे पर यही दोनों हिंदू थे: अधिकारियों के अनुसार, हमला कुलगाम से करीब 20 किलोमीटर दूर केलाम में हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उन्होंने 10-12 राउंड फायर की आवाज सुनी। घटना के समय वहां कई प्रवासी मजदूर थे, लेकिन सिर्फ यही दोनों हिंदू थे। इस हमले के बाद घटनास्थल के चारों तरफ करीब दो किलोमीटर का इलाका सील कर दिया गया है। आतंकियों ■ शेष पृष्ठ 6 पर

4 माह पहले रोजी-रोटी की तलाश में पत्नी के साथ कश्मीर गए थे भूपेंद्र भैना

सारंगढ़-बिलाईगढ़/नवप्रदेश। जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ वनांचल स्थित ग्राम छुइया निवासी मजदूर भूपेंद्र भैना की हत्या कर दी गई। घटना की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, भूपेंद्र भैना करीब तीन से चार महीने पहले अपनी पत्नी के साथ रोजी-रोटी की तलाश में कश्मीर गए थे। परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य होने के कारण वे मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। उनके माता-पिता और छोटा भाई भी रोजगार के सिलसिले में हिमाचल प्रदेश में मजदूरी करते हैं। भूपेंद्र का एक छोटा बच्चा गांव में अपनी दादी और बुआ के साथ रहता है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार, मासूम बच्चे को अभी तक यह नहीं बताया गया है कि उसके पिता अब कभी घर नहीं लौटेंगे। भूपेंद्र के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार कश्मीर में ही किए जाने की चर्चा है। हालांकि, परिजन और ग्रामीण उनकी अंतिम विदाई पैतृक गांव में हो, इसके लिए शव को छत्तीसगढ़ लाने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने सरकार से पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने और शव गांव लाने की मांग की है।

श्रमिकों के परिजनों को 20-20 लाख की सहायता: साय

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में आतंकवादियों द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रवासी श्रमिकों पर किए गए कायराना हमले में सक्ती जिले के निवासी दीपक रात्रे तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के निवासी भूपेंद्र भैना के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस जघन्य और अमानवीय आतंकी घटना की कठोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना मानवता के विरुद्ध अपराध है और ऐसे कायराना कृत्य किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस दु:ख की घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार शोकाकुल परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता और मजबूती से खड़ी है। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार की ओर से दोनों दिवंगत श्रमिकों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को जम्मू-कश्मीर सरकार के अधिकारियों से संपर्क कर आवश्यक समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्त की जाएगी, जो परिजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेगा।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने एडीजी इंटेलिजेंस से की बात

रायपुर/नवप्रदेश। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के किलम क्षेत्र में आतंकवादियों ने दो मजदूरों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। हमले में दोनों मजदूर की मौत हो गई। हमले में दीपक कुमार रात्रे पिता उमा शंकर रात्रे, निवासी वार्ड 3, ग्राम बुंदेली, जिला जांजगीर-चांपा और भूपेंद्र कुमार भैना, पिता दशरथ भैना, निवासी एच.एन. 128, छुइया, बलौदा बाजार क्षेत्र के रूप में हुई है। दोनों छत्तीसगढ़ के निवासी हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष व सक्ती विधायक डॉ. चरणदास महंत ने आंतकी हमले की जानकारी लगने के बाद छत्तीसगढ़ के एडीजी गुप्तचर अमित कुमार से घटना की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही छत्तीसगढ़ के दो मजदूर की हुई मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों से संपर्क स्थापित कर आवश्यक सहयोग करने को कहा है।

ईरान पर भरोसा खत्म हो रहा, हम बहुत जोरदार हमला करेंगे: ट्रंप

वॉशिंगटन डीसी/ए.। अमेरिका और इजराइल ईरान के ऊर्जा ढांचे पर बड़े हमले की तैयारी कर रहे हैं। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस हफ्ते बिजली संयंत्रों और तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाया जा सकता है। इस सैन्य योजना पर शुक्रवार को कैंप डेविड में हुई ट्रम्प की कैबिनेट बैठक में भी चर्चा हुई।

बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा, 'हम ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि अब उन्हें ईरान पर भरोसा नहीं रहा, क्योंकि 'वे झूठ बोलते हैं, बातचीत की बात करते हैं, लेकिन बार-बार अपना वादा तोड़ देते हैं।

अमेरिका हमला करता है तो जवाब पूरी तैयारी के साथ देंगे: ईरान - दूसरी तरफ ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका हमला करता है तो उसका जवाब पूरी तैयारी के साथ दिया जाएगा। उनके मुताबिक, जवाबी कार्रवाई में अमेरिका और इजराइल के अहम सैन्य ठिकानों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जाएगा।

बंदर ने बच्ची को पालने से उठाकर ड्रम में डुबोया

सरगुजा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक जंगली बंदर ने पालने से 5 महीने की बच्ची को उठाकर पानी से भरे ड्रम में डाल दिया। परिवार वालों ने दौड़ाया तो बच्ची को ड्रम में ही छोड़कर बंदर भाग निकला। घटना के बाद घर वालों ने तुरंत बच्ची को बाहर निकाला और हॉस्पिटल ले गए। स्थिति को देखते हुए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। जहां बच्ची का एनआईसीयू (नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट) में इलाज किया जा रहा है, फिलहाल उसकी हालत स्थिर है। मामला लखनपुर ब्लॉक के ग्राम रजपुरी का है। इसकी जानकारी वन विभाग को दे दी गई है। बंदर की हरकत से गांव वाले डरे हुए हैं।

गरमा-गरम

भोपाल समेत कई जिलों में बारिश, बाढ़ में पुलिया बही

खरगोन का कुंदा जलप्रपात उफान पर, एंट्री बंद; 4 दिन भारी बारिश के आसार नहीं

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल, रतलाम समेत कई जिलों में शनिवार को बारिश हुई। खरगोन के सतावड़ में दिवाली और बंधान नदी की बाढ़ से पुरानी पुलिया क्षतिग्रस्त होने के बाद शुक्रवार से गांव का संपर्क टूटा हुआ है। लोगों को तीन और चार पहिया वाहनों से आने-जाने के लिए 17 किमी का अतिरिक्त फेर लगाना पड़ रहा है। उधर, सिरवेल महादेव स्थित कुंदा जलप्रपात उफान पर होने से श्रद्धालुओं की एंट्री बंद कर दी गई है। वहीं, मध्य प्रदेश में जुलाई का वर्षा कोटा पूरा हो गया है, लेकिन प्रदेश अब भी सामान्य से 13% कम बारिश पर है। अगले चार दिन भारी बारिश के आसार नहीं हैं। भोपाल में दिनभर बादल छाए रहे और कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। रतलाम में शनिवार सुबह से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। जिले में अब तक 13 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की जा चुकी है। लगातार बारिश से शहर का हनुमान ताल लबालब भर गया है। जुलाई महीने का वर्षा कोटा भी पूरा हो गया। हालांकि, पिछले साल की तुलना में इस बार अब तक करीब 9 इंच कम बारिश हुई ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार पर थे: मोदी

आंध्र प्रदेश में भोगपुरम एयरपोर्ट समेत 18000 करोड़ के प्रोजेक्ट्स शुरू

अमरावती/ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आंध्र प्रदेश के भोगपुरम में कहा कि पहले एक ही परिवार के नाम पर एयरपोर्ट हो जाते थे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने इसे बदला है। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार में विकास तेज गति से हो रहा है।

पीएम मोदी ने भोगपुरम में अल्लूरी सीताराम राजू एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। इसके साथ ही कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज का दिन आंध्रप्रदेश के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

प्रधानमंत्री मोदी का कांग्रेस पर तंज

पीएम ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा, पहले जो एयरपोर्ट बनते थे एक ही परिवार के नाम से चढ़ जाते थे, लेकिन हमारी सरकार ने इस परम्परा को समाप्त किया। हमने अयोध्या के हवाई अड्डे का नाम वाल्मीकि और पंजाब के हवाई अड्डे का नाम संत रविदास के नाम पर रखा। केंद्र की एनडीए सरकार ने फैसला किया है कि इस नए हवाई अड्डे का नाम अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा जाएगा।

छोटे शहरों के लोग भी कर रहे हवाई यात्रा: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले बारह सालों में देश के एविएशन सेक्टर ने असाधारण प्रगति की है। 2014 तक देश में केवल 74 एयरपोर्ट चालू थे। आज यह संख्या 166 है। एक समय था जब हवाई यात्रा केवल बड़े शहरों तक ही सीमित थी, लेकिन एनडीए सरकार के तहत, अब छोटे शहरों के आम लोग भी हवाई यात्रा कर पा रहे हैं। हाल ही में सरकार ने उड़ान योजना का दूसरा चरण शुरू किया है, जिसके लिए 29 हज़ार करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

आजादी का मतलब मर्जी से कुछ भी करने की मनमानी नहीं: डोभाल

आज की पीढ़ी को इसका सही मतलब समझना होगा, ये लंबे संघर्ष के बाद मिली है

पुणे/ए.। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शनिवार को पुणे में कहा, 'युवाओं को यह समझना होगा कि आजादी का मतलब केवल अपनी मर्जी से कुछ भी करने की मनमानी नहीं है।' कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

उन्होंने कहा, 'युवा आजादी को केवल अपनी इच्छा के अनुसार कुछ भी करने की स्वतंत्रता समझ सकते हैं, लेकिन आजादी का ■ शेष पृष्ठ 6 पर

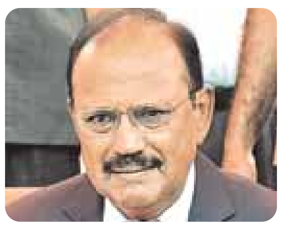

डोभाल ने अधिकारों के दुरुपयोग पर जताई चिंता

एनएसए ने कहा कि आज के युवाओं को सोचना चाहिए कि वे केवल राष्ट्रहित में काम करेंगे। उन्हें निजी हितों का त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए और अगर ऐसे विचार मन में आएं भी, तो उन्हें नजरअंदाज कर देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि देश अपने मिशन में सफल होगा और इतिहास का एक नया अध्याय लिखेगा।

जीएसटी कलेक्शन में बम्पर उछाल

जुलाई में 2.11 लाख करोड़ पर पहुंचा जीएसटी संग्रह

नई दिल्ली/ए.। वित्त मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का ग्रॉस गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन जुलाई महीने में सालाना आधार पर 15.4% बढ़कर 2.11 लाख करोड़ (2.11 ट्रिलियन) रुपये पर पहुंच गया है। यह इस वित्त वर्ष के सबसे मजबूत मासिक प्रदर्शनों में से एक है, जिसमें मजबूत घरेलू लेनदेन और आयात से होने वाले कर संग्रह में आई तेज उछाल का बड़ा योगदान ■ शेष पृष्ठ 6 पर

रिफंड और चालू वित्त वर्ष के शुरुआती आंकड़े

जुलाई के दौरान जारी कुल रिफंड 13.1% बढ़कर 29,968 करोड़ रुपये रहा। वहीं, नेट घरेलू जीएसटी राजस्व 10.5% बढ़कर 1.27 लाख करोड़ रुपये हो गया और आयात से मिलने वाला नेट जीएसटी राजस्व 30.3% चढ़कर 54,223 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। चालू वित्त वर्ष (वित्तीय वर्ष 2027) के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) की बात करें तो ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 10.1% बढ़कर 8.42 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि नेट जीएसटी राजस्व 9.2% बढ़कर 7.21 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि में घरेलू जीएसटी संग्रह 4.5% बढ़कर 5.99 लाख करोड़ रुपये और आयात से मिलने वाला जीएसटी राजस्व 26.9% बढ़कर 2.43 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

सौगात : जबलपुर को दी 397 करोड़ रूपए के 5 विकास कार्यों की सौगात

समृद्ध मध्यप्रदेश के लिए सेवा और सुशासन ही हमारा मूल विकास मंत्र : सीएम यादव

जबलपुर एक साल में बनेगी मेट्रोपॉलिटन सिटी

जबलपुर जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बनेंगे सांदीपनि विद्यालय

नगर निगम जबलपुर की स्वच्छता सर्वेक्षण पर केन्द्रित कॉफी टेबल का किया विमोचन

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को जबलपुर को बड़ी सौगात देते हुए कहा कि नगर निगम जबलपुर अगले एक वर्ष में मेट्रोपोलिटन सिटी बनेगा। उन्होंने मौके पर ही संबंधितों (कमिश्नर, कलेक्टर एवं अन्य) को जल्द से जल्द जबलपुर मेट्रोपॉलिटन सिटी का ड्रॉफ्ट प्रपोजल तैयार करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा हमारी सरकार का दायां और सुशासन बायां हाथ है। हम मध्यप्रदेश के विकास प्रदेश के नागरिकों की सुख-समृद्धि और सेवा के प्रति संकल्पित है। सेवा और सुशासन ही हमारे लिए समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण का मूल और वास्तविक विकास मंत्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने प्रदेश की जनता से विकास का सच्चा वादा किया है। आज प्रदेश में चहुंओर विकास की बहार है। सच्चा वादा, पक्का काम हम जो भी कहते हैं, वो करके भी दिखाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जबलपुर के गीता भवन परिसर में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण-भूमिपूजन का 11 लाख पौधे लगाने के महा अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जबलपुर जिले को और भी कई सौगातें दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर में एक फर्नीचर क्लस्टर बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जबलपुर की मेडिकल यूनिवर्सिटी को अब मध्यप्रदेश के एम्स (राज्यस्तरीय आयुर्विज्ञान संस्थान) के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर और आसपास की परिधि मे स्थित नेशनल पार्क में आने वाले पर्यटकों के विशेष आकर्षण के लिए जबलपुर में ही वाइल्ड एनीमल्स विजिबिलिटी की सुविधा विकास के लिए यहां मदन महल पहाड़ी के पास एक चिड़िया घर (जू) बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जलेश्वर महादेव के दर्शन से होती है हर मनोकामना पूर्ण : पंडित संदीप ज्योतिषी

इन्द्रपाल यादव

अमरकंटक/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में मेकल पर्वतमाला की गोद में स्थित जलेश्वर महादेव मंदिर एक अत्यंत प्राचीन एवं प्रतिष्ठित शिवधाम है। मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक के निकट स्थित यह मंदिर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र माना जाता है। मान्यता है कि यहां भगवान जलेश्वर महादेव के दर्शन और मां नर्मदा के पवित्र जल से अभिषेक करने पर भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि जलेश्वर महादेव मंदिर प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंदिर की भव्य नक्काशी, दिव्य प्रतिमाएं और यहां स्थापित काले रंग का पवित्र बाणलिंग श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित करता है। इस मंदिर से अनेक पौराणिक कथाएं जुड़ी हुई हैं, जिनका उल्लेख शिव महापुराण और स्कंद पुराण में भी मिलता है।

उन्होंने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव ने राक्षस त्रिपुरासुर का संहार एक ही बाण से किया था। उसके तीनों पुर नष्ट होकर अलग-अलग स्थानों पर गिरे, जिनमें से एक भाग नर्मदा कुंड के समीप गिरा और वही स्थान आगे चलकर जलेश्वर तीर्थ के रूप में प्रसिद्ध हुआ। मान्यता है कि इसी स्थान पर भगवान शिव ने अपनी पुत्री मां नर्मदा को दिव्य शस्त्र प्रदान किए थे।

बाणासुर के वध से प्रकट हुआ जलेश्वर महादेव

पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार बाणासुर अत्यंत पराक्रमी और भगवान शिव का अनन्य भक्त था। शक्ति के अहंकार में उसने तीनों लोकों में उत्पात मचाना शुरू कर दिया। तब भगवान शिव ने अपने पिनाक धनुष से अघोर बाण चलाकर उसका दमन किया। कहा जाता है कि उस समय बाणासुर अपने आराध्य शिवलिंग को सिर पर धारण कर भगवान शिव की स्तुति करने लगा। उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उसे मोक्ष प्रदान किया। इसी घटना के बाद यहां प्रकट हुआ शिवलिंग ÷बाणलिंग÷ के नाम से प्रसिद्ध हुआ और यह स्थान जलेश्वर महादेव तीर्थ कहलाया।

जोहिला नदी का भी यही है उद्गम

अमरकंटक को तीन पवित्र नदियों–मां नर्मदा, सोन और जोहिला–का उद्गम स्थल माना जाता है। जलेश्वर महादेव मंदिर के निकट ही जोहिला नदी का उद्गम होता है। मान्यता है कि गंगोत्री का जल रामेश्वरम में चढ़ाने से जितना पुण्य प्राप्त होता है, उतना ही पुण्य मां नर्मदा कुंड का जल जलेश्वर महादेव पर अर्पित करने से मिलता है। शिव महापुराण के अनुसार त्रिपुरासुर के तीन पुत्रों ने कठोर तपस्या कर ब्रह्मा से वरदान प्राप्त किया और त्रिपुर नामक नगरों की स्थापना की। उनके अत्याचारों से त्रस्त देवताओं की प्रार्थना पर भगवान शिव ने त्रिपुर का विनाश किया। विनाश के दौरान एक प्रज्वलित अग्निखंड धरती पर गिरा, जिसकी ज्वाला से सृष्टि संकट में पड़ गई। देवताओं की प्रार्थना पर भगवान शिव ने उस अग्नि को शांत कर जल का स्वरूप प्रदान किया, जिससे जोहिला नदी का उद्गम हुआ।

सावन में उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि सावन माह में देशभर से हजारों श्रद्धालु मां नर्मदा कुंड का पवित्र जल लेकर जलेश्वर महादेव का अभिषेक करने पहुंचते हैं। ऐसी मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक जल, दूध और बेलपत्र अर्पित करने से सभी प्रकार के पाप, कष्ट और बाधाएं दूर होती हैं तथा भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

उन्होंने बताया कि पुराणों में इस स्थान को ÷महा रुद्र मेरु÷ के नाम से भी वर्णित किया गया है। स्कंद पुराण में वर्णित बाणलिंग की महिमा के अनुसार इस शिवलिंग पर जल और दूध अर्पित करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है तथा जीवन के दुखों का नाश होता है। इसी कारण जलेश्वर महादेव मंदिर आज भी श्रद्धा, आस्था और आध्यात्मिक विश्वास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

सिंहस्थ–2028 : आसपास के जिलों में विकसित होंगे होल्डिंग एरिया, दो दिन में प्रस्ताव मांगे

उज्जैन/नवप्रदेश। सिंहस्थ-2028 के दौरान श्रद्धालुओं के सुचारु आवागमन और प्रभावी यातायात प्रबंधन के लिए उज्जैन सहित आसपास के जिलों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त होल्डिंग एरिया विकसित किए जाएंगे। इस संबंध में शनिवार को संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में रतलाम, देवास, शाजापुर, आगर मालवा, मंदसौर, नीमच, इंदौर, धार और सीहोर के कलेक्टर एवं वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। संभागायुक्त ने सभी जिलों को निर्देश दिए कि वे दो दिनों के भीतर होल्डिंग एरिया के लिए उपयुक्त स्थलों का चिन्हांकन कर विकास की अनुमानित लागत सहित विस्तृत प्रस्ताव मेला कार्यालय को भेजें। उन्होंने कहा कि होल्डिंग एरिया केवल अस्थायी ठहराव स्थल नहीं होंगे, बल्कि वहां श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, पार्किंग, प्राथमिक उपचार, सूचना एवं सहायता केंद्र तथा सुरक्षा जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी जिलों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर समन्वित कार्ययोजना तैयार की जाएगी, ताकि सिंहस्थ-2028 के दौरान यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जा सके।

महामंडलेश्वर ज्ञानदास पर दुष्कर्म का मामला दर्ज, एफआईआर के बाद आश्रम छोड़ फरार

उज्जैन/नवप्रदेश। सदावल रोड स्थित दादू आश्रम के महामंडलेश्वर ज्ञानदास महाराज के खिलाफ महाकाल थाना पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर दुष्कर्म, धमकी और अन्य आरोपों में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस द्वारा मामला दर्ज होने की जानकारी मिलते ही आरोपी आश्रम छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने आश्रम पहुंचकर उसकी तलाश की, लेकिन आश्रम पर ताला लगा मिला। पुलिस के अनुसार, महिला ने शिकायत में आरोप लगाया है कि करीब डेढ़ वर्ष पहले दत्त अखाड़ा आश्रम में ज्ञानदास से मुलाकात के बाद दोनों के बीच फेसबुक के माध्यम से संपर्क बढ़ा। महिला का कहना है कि गुरु पूर्णिमा 2025 के दौरान दादू आश्रम में रहने के दौरान उसके साथ दुष्कर्म किया गया। विरोध करने पर मारपीट, जान से मारने की धमकी देने तथा वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोप भी लगाए गए हैं। शिकायत के आधार पर महाकाल थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 और 351 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है। दूसरी ओर, महामंडलेश्वर ज्ञानदास ने पहले ही सभी आरोपों को निराधार बताते हुए महिला पर हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया था। इस बीच मॉडल से साध्वी बनी हर्षानंद द्वारा आश्रमों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उठाए गए सवाल भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

सिंहस्थ–2028 : वीर दुर्गादास छतरी का होगा कायाकल्प, री–प्लान की ड्रॉइंग जल्द पूरी करने के निर्देश

उज्जैन/नवप्रदेश। सिंहस्थ-2028 की विरासत परियोजनाओं के तहत शिप्रा तट स्थित वीर दुर्गादास राठौर की ऐतिहासिक छतरी का जीर्णोद्धार और समग्र विकास किया जाएगा। शनिवार को संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह तथा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने परियोजना स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को री-प्लान की ड्रॉइंग एवं डिजाइन का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। पर्यटन विकास निगम के अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के तहत छतरी की मूल ऐतिहासिक संरचना को सुरक्षित रखते हुए उसका संरक्षण एवं जीर्णोद्धार किया जाएगा। साथ ही परिसर में रिटेनिंग वॉल, पैदल पुल, संग्रहालय, जनसुविधा केंद्र, आकर्षक लैंडस्केपिंग, उद्यान विकास और पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। वीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा भी ऊंचे पेडस्टल पर स्थापित की जाएगी। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि जनसुविधाओं का विकास शिप्रा नदी के विपरीत तट पर भी किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने पर जोर दिया। परियोजना पूरी होने के बाद वीर दुर्गादास राठौर छतरी ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के साथ आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से सुसज्जित होकर सिंहस्थ-2028 में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण केंद्र बनेगी।

आत्मनिर्भरता: बस्तर की बेटियां भरेंगी सफलता की नई उड़ान

बेंगलुरू की फॉक्सकॉन कंपनी में बस्तर की 12 युवतियों का चयन

- **कलेक्टर ने सौंपे नियुक्ति पत्र**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर की बेटियां अब देश की अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी फॉक्सकॉन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। जिला प्रशासन के प्रयासों से जिले की 12 युवतियों का चयन बेंगलुरु स्थित फॉक्सकॉन कंपनी में हुआ है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर (आकाश छिकारा) ने चयनित युवतियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उनके उज्ज्वल, सुरक्षित और सफल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आत्मनिर्भर बस्तर की नई पहचान

फॉक्सकॉन जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में बस्तर की 12 युवतियों का चयन क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। यह उपलब्धि न केवल इन परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी,बल्कि कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बस्तर की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी साबित होगी।

कलेक्टर ने चयनित युवतियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि दूसरे शहर में कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या आने पर जिला प्रशासन हरसंभव सहायता के लिए सदैव तैयार रहेगा। जिला पंचायत (मुख्य कार्यपालन अधिकारी) तन्मय खन्ना ने युवतियों को पूरी निष्ठा और लगन से कार्य सीखने की सलाह देते हुए कहा कि यहां का अनुभव उनके बेहतर भविष्य की मजबूत नींव बनेगा। वहीं सहायक कलेक्टर (यशवंत नायक) ने आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और निरंतर सीखते रहने का संदेश दिया।

चयनित युवतियों में कई ने जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज, जगदलपुर से कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया, जबकि अन्य का चयन लाइवलीहुड कॉलेज के प्लेसमेंट कैंप के माध्यम से हुआ। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की महिला समूहों और प्रदान संस्था ने भी चयन एवं प्लेसमेंट प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रामनगर पुलिस की कॉम्बिंग गश्त में बड़ी कार्रवाई

इन्द्रपाल यादव

अनूपपुर/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में थाना रामनगर पुलिस ने फरार एवं स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए 31 जुलाई 2026 की रात्रि विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए 5 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया तथा 6 स्थायी वारंट तामील किए। थाना रामनगर पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर पवन पनिका (24) निवासी पुराना रामनगर, जिसके विरुद्ध दो स्थायी वारंट लंबित थे, सरजू सिंह पाव उर्फ बड़का (25) निवासी वार्ड क्रमांक 8 डोला, सोहन पुरी (28) निवासी ग्राम हर्री, सोनसाय केवट (28) निवासी ग्राम फुलकोना तथा घनश्याम उर्फ लाला जोगी (30) निवासी ग्राम फुलकोना को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न आपराधिक प्रकरणों एवं जुआ अधिनियम से संबंधित मामलों में न्यायालय द्वारा स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे। गिरफ्तार आरोपियों को नियमानुसार अभिरक्षा में लेकर शासकीय वाहन से माननीय न्यायालय कोतमा में प्रस्तुत किया गया, जहां उनके विरुद्ध आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुमित कौशिक, प्रधान आरक्षक सनत द्विवेदी, प्रधान आरक्षक अमित पटेल, प्रधान आरक्षक राहुल प्रजापति, आरक्षक मदगेन्द्र पटेल (क्रमांक 460) तथा आरक्षक ऋषभ मिश्रा (क्रमांक 387) की सराहनीय भूमिका रही।

भालूमाड़ा पुलिस ने 3 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

इन्द्रपाल यादव

अनूपपुर/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री विक्रांत मुराब (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जगनाथ सिंह मरकाम तथा एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भालूमाड़ा निरीक्षक राधिका भगत के नेतृत्व में भालूमाड़ा पुलिस ने काम्बिंग गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए तीन स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार 31 जुलाई 2026 को माननीय न्यायालय कोतमा द्वारा जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंटों के पालन में कार्रवाई की गई। इस दौरान प्रकरण क्रमांक 768/2024 (अपराध क्रमांक 266/2024) के स्थायी वारंटी सत्यवती साहू निवासी ग्राम सकोला, प्रकरण क्रमांक 605/2020 (अपराध क्रमांक 309/2020) के स्थायी वारंटी कमलेश उर्फ छोटी निवासी ग्राम खोडरी, थाना रामनगर तथा आरसीटी क्रमांक 566/2020 (अपराध क्रमांक 173/2020) के स्थायी वारंटी लालमन कोल उर्फ जरहा निवासी ग्राम कुशला बहरा, थाना भालूमाड़ा को गिरफ्तार किया गया।तीनों आरोपियों के विरुद्ध जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंट तामील कर उन्हें माननीय न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राधिका भगत, उपनिरीक्षक डी.एस. बागरी, प्रधान आरक्षक कृपाल सिंह, आरक्षक चक्रधर तिवारी एवं आरक्षक शुभम तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ऑनलाइन हाजिरी के लिए पेड़ पर चढ़ी एएनएम, अनूपपुर के स्वास्थ्य केंद्र का वीडियो वायरल

इन्द्रपाल यादव

अनूपपुर/नवप्रदेश। जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड के सेक्टर दामेहड़ी स्थित गन्नागोडा स्वास्थ्य केंद्र का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक एएनएम मोबाइल नेटवर्क मिलने की कोशिश में पेड़ पर चढ़कर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करती हुई दिखाई दे रही हैं। स्थानीय स्तर पर दावा किया जा रहा है कि स्वास्थ्य केंद्र परिसर में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं होने के कारण एएनएम को मजबूरी में यह कदम उठाना पड़ा। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। यदि यह मामला सही पाया जाता है, तो यह दूरस्थ क्षेत्रों में डिजिटल सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति को उजागर करता है।

सवाल यह भी उठता है कि जहां मोबाइल नेटवर्क की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, वहां कर्मचारियों से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने की अनिवार्यता किस प्रकार व्यावहारिक हो सकती है। बताया जा रहा है कि नेटवर्क की समस्या के चलते स्वास्थ्य कर्मियों को रोजमर्रा के कार्यों के साथ अतिरिक्त परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में ऑनलाइन हाजिरी दर्ज करने के लिए जोखिम उठाना कर्मचारियों की सुरक्षा पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

यह मामला स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। आवश्यकता है कि वायरल वीडियो और उससे जुड़े दावों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही दूरस्थ स्वास्थ्य केंद्रों में मोबाइल नेटवर्क एवं अन्य डिजिटल सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाए, ताकि स्वास्थ्य कर्मचारियों को अनावश्यक कठिनाइयों और जोखिम का सामना न करना पड़े तथा स्वास्थ्य सेवाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

वरिष्ठ दिव्यांग को प्रदाय की गई ट्रायसिकल

कांकेर/नवप्रदेश। भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के ग्राम भानबेड़ा निवासी 65 वर्षीय वरिष्ठ दिव्यांग श्री गुलाम कासिम को समाज कल्याण विभाग द्वारा ट्रायसिकल प्रदान की गई। दिव्यांग श्री कासिम को चलने-फिरने एवं दैनिक कार्यों के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। ट्रायसिकल मिलने से अब उन्हें आने-जाने में सुविधा होगी, साथ ही वे दैनिक कार्य पहले की अपेक्षा अधिक आसानी से कर सकेंगे।

हर दिन स्कूल आना, नहीं कोई बहाना... यह सोचकर शिक्षक ने किया रेनकोट और छतरी का वितरण

चारामा/नवप्रदेश। बरसात में भीग जाने के कारण स्कूल न आने और तबियत खराब का बहाना जब भी कोई बच्चा करता है तो एक शिक्षक को स्कूल उस बच्चे के बिना अधूरा सा लगता है। इस बहाना को दूर करने का प्रयास शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय रतेसरा के शिक्षक धर्मेन्द्र कुमार ने जरूरत मंद बच्चों को रेनकोट और छतरी वितरण कर हर दिन स्कूल आने का राह निकालने का प्रयास किया है।अक्सर बारिश से बच्चे भीग जाते हैं बैग के पुस्तक भी भीग जाते हैं ऐसे में बच्चों को स्कूल न जाने का बहाना मिल जाता है और वजह में अगले दिन बच्चे बारिश में भीगने से तबियत खराब होना बताया जाता था।स्कूल में कम बच्चों की उपस्थिति से दिनभर अधूरा लगता है इस कमी को दूर करने शिक्षक ने यह प्रयास किया कि बच्चों को संसाधन उपलब्ध करा देने से नियमित शाला अध्यापन कार्य के लिए आयेंगे।इस पहल में शाला के शिक्षकों ने सहयोग दिया। बच्चों के चेहरे पर नए रेनकोट और छतरी मिलने से खुशी देखा गया ।

गुरु पूर्णिमा पर 40 वर्ष की विधि सेवा देने वाले वरिष्ठ अधिवक्ताओं का सम्मान

- **अनुभवी अधिवक्ता युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी पूंजी, गुरु–शिष्य परंपरा को किया नमन**

जगदलपुर/नवप्रदेश। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद, बस्तर जिला द्वारा भाजपा जिला कार्यालय में वरिष्ठ अधिवक्ताओं के सम्मान में गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बस्तर जिला अधिवक्ता संघ में पिछले 40 वर्षों से निरंतर विधि सेवा दे रहे वरिष्ठ अधिवक्ताओं का शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद,मध्य क्षेत्र की सह-संयोजक (झरना बांगर) ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा ज्ञान,संस्कार और मार्गदर्शन का आधार रही है। अधिवक्ता जगत में भी वरिष्ठ अधिवक्ताओं का अनुभव युवा वकीलों के लिए अमूल्य धरोहर है, जिससे वे न्यायिक कार्यों में दक्षता प्राप्त कर समाज के प्रति अपने दायित्वों का बेहतर निर्वहन कर सकते हैं।

सम्मानित वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने युवा अधिवक्ताओं से ईमानदारी,अनुशासन और समर्पण के साथ विधि व्यवसाय में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कनिष्ठ अधिवक्ताओं को जब भी मार्गदर्शन की आवश्यकता होगी, वे सदैव सहयोग के लिए उपलब्ध रहेंगे। समारोह में डब्बू वर्मा, निर्मल सोनी,नंद किशोर देवांगन, विजय केपी गुप्ता, प्रवीण लोटिया एवं घनश्याम साहू सहित 40 वर्षों से विधि सेवा दे रहे अधिवक्ताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन बस्तर जिला अधिवक्ता संघ (उपाध्यक्ष) प्रीति वानखेड़े ने किया तथा आभार आरती दुआ ने व्यक्त किया।

गुरु–शिष्य परंपरा को मिला सम्मान

समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश पाणिग्रही, सपन देवांगन, संजय विश्वकर्मा,श्रीनिवास रथ,प्रतिमा राय,उमेश चंद्र ठाकुर, जय प्रकाश पाढ़ी,तापस विश्वास,जयंत विश्वास,मनीषा खरे, बसंत यादव,हेमलता नक्का,भानु चौरसिया,नितिन जैन,मलय झा,वरुण विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने सहभागिता कर गुरु–शिष्य परंपरा और विधि व्यवसाय की गरिमा को सम्मानपूर्वक नमन किया।

भोपाल में सपोर्ट वायर पर अटकी कार: डिवाइडर से टकराने के बाद चढ़ी; पुलिस बोली- स्टंट नहीं, सड़क हादसा है

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में कार के बिजली के खंभे के सपोर्ट वायर पर चढ़ जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो को लेकर तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। कहीं इसे %रील बनाने का स्टंट बताया जा रहा है तो कहीं किसी बड़ी दुर्घटना की बात कही जा रही है। वायरल वीडियो की पड़ताल में पुलिस ने इन दावों को भ्रामक बताया है। पुलिस से बातचीत में एसआई संतोष रघुवंशी ने बताया कि घटना शनिवार सुबह करीब 5:15 बजे की है। हादसा आनंद नगर स्थित आकाशवाणी कार्यालय के सामने हुआ। कार चालक भोपाल से रायसेन की ओर जा रहा था। इसी दौरान बगल से गुजर रहे एक वाहन के कारण उसने अपनी कार को दबाया, जिससे कार पहले डिवाइडर से टकराई। डिवाइडर से टक्कर लगने के बाद चालक का पैर अनजाने में एक्सेलरेटर पर अधिक दब गया। इससे कार अचानक तेज गति से आगे बढ़ी और सड़क किनारे बिजली के खंभे के सपोर्ट के लिए लगाए गए डबल स्टील वायर पर चढ़ गई। वायर मजबूत होने के कारण टूटा नहीं और कार उसी पर अटक गई। एसआई संतोष रघुवंशी के मुताबिक, घटना को लेकर सोशल मीडिया पर जो रील बनाने की बातें वायरल हो रही हैं, उनका वास्तविक घटना से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चालक पूरी तरह स्वस्थ था और यह महज एक सड़क हादसा था, न कि किसी तरह का स्टंट। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और चालक सुरक्षित है।

ई-प्रवेश में नया कीर्तिमान : 5 लाख 24 हजार 48 विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश

पिछले वर्ष की तुलना में 65 हजार 840 अधिक प्रवेश, 7 लाख 51 हजार 123 विद्यार्थियों ने कराया पंजीयन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन एवं मंत्री परमार के नेतृत्व में उच्च शिक्षा विभाग ने स्थापित किया नया आयाम

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन तथा उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार के नेतृत्व में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ई-प्रवेश प्रणाली ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यार्थी-केंद्रित, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित प्रवेश व्यवस्था के परिणामस्वरूप इस वर्ष अब तक सर्वाधिक 5 लाख 24 हजार 48 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। 31 जुलाई 2026 की स्थिति में 2 हजार 1 महाविद्यालयों (1 हजार 256 सामान्य एवं 745 एनसीटीई महाविद्यालयों) में 7 लाख 51 हजार 123 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया। इनमें 6 लाख 60 हजार 981 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया तथा 5 लाख 24 हजार 48 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया।

चार वर्षों में लगातार बढ़ा प्रवेश का ग्राफ

ई-प्रवेश के आँकड़े बताते हैं कि प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों का विश्वास लगातार बढ़ा है। वर्ष 2023-24 में समान अवधि तक 3 लाख 21 हजार 154 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 3 लाख 90 हजार 411 तथा वर्ष 2025-26 में 4 लाख 58 हजार 208 हो गया। वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2026-27 में यह संख्या बढ़कर 5 लाख 24 हजार 48 पहुँच गई है। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में इस वर्ष 65 हजार 840 अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जो 14.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। वहीं वर्ष 2023-24 की तुलना में प्रवेश संख्या में 2 लाख 2 हजार 894 विद्यार्थियों की वृद्धि दर्ज की गई है, जो प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रति बढ़ते विश्वास और विभाग की प्रभावी नीतियों का प्रमाण है।

स्नातकोत्तर प्रवेश में सबसे अधिक वृद्धि

स्नातक स्तर पर 4 लाख 58 हजार 792 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें 4 लाख 13 हजार 963 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया तथा 3 लाख 60 हजार 902 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया। पिछले वर्ष की तुलना में स्नातक स्तर पर 42 हजार 40 विद्यार्थियों की वृद्धि दर्ज की गई। स्नातकोत्तर स्तर पर एक लाख 66 हजार 402 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया। इनमें एक लाख 43 हजार 533 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया तथा एक लाख 14 हजार 802 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया। पिछले वर्ष की तुलना में स्नातकोत्तर स्तर पर 35 हजार 516 विद्यार्थियों की वृद्धि हुई है, जो 44.8 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। एनसीटीई पाठ्यक्रमों में एक लाख 25 हजार 929 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया। इनमें एक लाख 3 हजार 485 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया तथा 48 हजार 344 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। प्रदेश के 566 शासकीय महाविद्यालय, 3 शासकीय विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग, 621 निजी महाविद्यालय, 65 अनुदान प्राप्त महाविद्यालय, एक सीआरसी सहित कुल एक हजार 256 सामान्य महाविद्यालयों तथा 745 एनसीटीई महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया सफलतापूर्वक संचालित की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर में संभागीय कार्यालय, तिलवारा थाना और पुलिस आवासों का किया लोकार्पण

पुलिस प्रशासन सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन के मंत्र के साथ करे काम : सीएम यादव

ई-समन प्रणाली लागू करने में मध्यप्रदेश देश में अव्वल

जबलपुर के महाराजपुर में बनेगा नया थाना

अज्ञात मृतकों की पहचान स्थापित करने में मध्यप्रदेश बना देश का पहला राज्य

पुलिस कर्मियों के लिए बैरक में बड़ाई जाएंगी सुविधाएं, मेस के लिए दी जाएगी पात्रतानुसार राशि

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पुलिस सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन के मंत्र के साथ समर्पित होकर काम करें। यही सच्ची समाज सेवा है, यही जनता की सेवा है। उन्होंने कहा कि देश में जब भी पीपुल्स फ्रेंडली पुलिसिंग की बात आए, तो हमारी संस्कारधानी जबलपुर पुलिस का नाम सबसे पहले आए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिसिंग की बेहतरी के लिए तकनीक के सदुपयोग के सद्परिणाम अब दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि नेशनल ऑटोमेडेट फिंगर प्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एनएएफआईएस) के माध्यम से 16 लाख से अधिक फिंगर प्रिंट डेटाबेस का उपयोग करके 12 सौ से अधिक पेचीदा मामलों को तत्परता से सुलझाया गया है। उन्होंने कहा कि एनएएफआईएस से अज्ञात मृतकों की पहचान स्थापित करने के मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश का पहला राज्य बना है। इसी प्रकार ई-समन प्रणाली के माध्यम से 36 लाख से अधिक समन और वारंट तामील कराए जा चुके हैं। यह प्रणाली देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश ने ही लागू की। मुख्यमंत्री ने बताया कि ई-साक्ष्य पोर्टल पर 2 लाख 30 हजार से अधिक डिजिटल सबूत दर्ज किए जा चुके हैं। एनसीआरपी पोर्टल और 1930 हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों पर तुरंत ई-जीरो एफआईआर दर्ज करने के मामले में भी हमारा मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जबलपुर शहर के तिलवारा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 22.57 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित 96 आरक्षक आवास, करीब 3.21 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित नवीन संभागीय पुलिस कार्यालय और लगभग 2.80 करोड़ रूपए की लागत से तिलवारा पुलिस स्टेशन के नव निर्मित भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सायबर सुरक्षा की दिशा में सेफ क्लिक-2.0 देश का सबसे बड़ा जागरूकता अभियान सिद्ध हुआ है। प्रदेशभर में 8 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, 1 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच बनाई गई, जबकि डिजिटल माध्यमों से 6 करोड़ से अधिक लोगों तक सुरक्षित इंटरनेट और सायबर सुरक्षा का प्रभावी संदेश पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर शहर के महाराजपुरा में नया थाना बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जबलपुर में उच्च न्यायालय है। पूरे प्रदेश से पुलिसकर्मियों का यहां आवागमन होता रहता है। पुलिसकर्मियों के रूकने के लिए पुलिस बैरक में सुविधा बड़ाई जाएंगी। यहां रूकने वाले पुलिसकर्मियों को मेस उपयोग करने पर शासकीय नियमों एवं पात्रतानुसार राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सावन का पावन महीना चल रहा है। कावड़िये बड़ी संख्या में आवागमन करेंगे। पुलिस प्रशासन यह सुड़निश्चित करें कि कावड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई या यात्रागत परेशानी न होने पाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपराधियों ने जिस तरह से तकनीक का उपयोग करना शुरू कर दिया है, हमारी पुलिस को भी उनके तरीके से ही लड़ना सीखना होगा। इसके लिए प्रदेश के 1 हजार 117 थानों और 693 वरिष्ठ कार्यालयों को डिजिटली एक-दूसरे से जोड़ दिया गया है। त्वरित और सटीक जांच के लिए पुलिस अधिकारियों को 25 हजार टैबलेट्स सौंपे गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में आम नागरिकों की आपातकालीन सुरक्षा के लिए हमने %डायल-112% सेवा को और अधिक अभेद्य बनाया है। करीब 972 करोड़ रुपये की लागत से 1200 नई और आधुनिक गाड़ियां सभी जिलों को सौंप दी गई हैं। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर अपराधियों पर हमारा कठोर प्रहार जारी है, वहीं दूसरी ओर हमारी पुलिस की मानवीय संवेदनशीलता भी अद्वितीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस विभाग ने %ऑपरेशन मुस्कान% के माध्यम से बिछड़े हुए मासूम बच्चों को उनके माता-पिता से मिलाकर उनके चेहरों पर मुस्कान लौटाई है, वहीं %सृजन कार्यक्रम% के माध्यम से हमारी माताओं, बहनों और बच्चों को एक नया सुरक्षा कवच मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने %नशे से दूरी है जरूरी 2.0% अभियान चलाया है। इसमें प्रदेश में सघन चेकिंग अभियान और नशे के अवैध कारोबार में लिप्त अपराधियों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष जताते हुए कहा कि सरकार के इस अभियान को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भविष्य की चुनौतियों के अनुसार भारत तेजी से बदल रहा है। केंद्र सरकार ने ब्रिटिश शासनकाल के कई पुराने कानूनों को खत्म किया। उन्होंने व्यवस्थाओं में परिवर्तन किया है। देश में नई भारतीय न्याय संहिता लागू की गई। मध्यप्रदेश सरकार भी पुलिस विभाग के कल्याण के लिए हर प्रकार से कार्य कर रही है। देश के लिए दशकों से चुनौती बने नक्सलवाद के दंश को खत्म कर हमारे पुलिस के पराक्रमी जवानों ने %भूतो न भविष्यति% कार्य किया है। इसके लिए पुलिस महकमे के सभी जवान बधाई के पात्र हैं। लगभग 35 साल पुरानी यह समस्या ऐसी लगती थी, कि कभी खत्म नहीं होगी, लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के संकल्प से मध्यप्रदेश नक्सलवाद के लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला अग्रणी राज्य बना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के बालाघाट, मंडला, डिंडोरी जिले का विकास नक्सलियों के कारण रुका रहा। नक्सलियों ने बालाघाट में वर्ष 1999 में तत्कालीन सरकार के एक मंत्री की सरेआम हत्या कर दी, लेकिन तब सरकार ने नक्सलवादियों के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। पुलिस विभाग में 18 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की गई। पुलिस विभाग में सालों से अटके पदोन्नति के मामलों का निराकरण कर 25 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को प्रमोशन दिए हैं। प्रदेश के सभी विभागों में लगभग ढाई लाख से अधिक प्रमोशन हुए हैं। व्यक्तिगत स्तर पर पुलिसकर्मियों के परिवार की चिंता करना भी सरकार का दायित्व है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी अगर स्वयं का मकान खरीदना चाहते हैं, तो सरकार उनकी आर्थिक सहायता के लिए जल्द ही एक योजना तैयार करेगी। पुलिसकर्मियों के पास नौकरी से रिटायर्ड होने पर अपनी निजी मकान होना ही चाहिए। हमारी सरकार इस दिशा में काम कर रही है।

राहुल गांधी के पुतले पर गोबर पोता, फिर फूंका: भोपाल में विहिप-बजरंग दल का उग्र प्रदर्शन

भोपाल/नवप्रदेश। संसद परिसर में राम मंदिर को लेकर हुए विपक्ष के प्रदर्शन के विरोध में भोपाल में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का प्रदर्शन उग्र हो गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने %पप्पू मियां% और 'राहुल गांधी मियां' के नारे लगाए। इसके बाद राहुल गांधी के पुतले के चेहरे पर गोबर पोता गया और पुतला जलाकर विरोध जताया गया। इस दौरान लिंक रोड पर बैरिकेड पार करने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक लिया। संसद में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर विपक्ष के सांकेतिक प्रदर्शन के विरोध में शनिवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के बैनर तले बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व्यापम चौराहे पर एकत्र हुए। यहां से विरोध मार्च शुरू हुआ, जो लिंक रोड की ओर बढ़ा। पुलिस ने पहले से बैरिकेड लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने की व्यवस्था कर रखी थी। मार्च के दौरान कई कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड पार करने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। कुछ देर तक पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की जैसी स्थिति बनी रही, हालांकि पुलिस ने हालात नियंत्रित रखे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने ÷राम विरोधी होश में आओ÷, ÷पप्पू मियां÷ और ÷राहुल गांधी मियां÷ जैसे नारे लगाए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विपक्ष पर भगवान श्रीराम और हिंदू आस्था का अपमान करने का आरोप लगाया।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने कहा कि संसद परिसर में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर जिस प्रकार का सांकेतिक प्रदर्शन किया गया, उससे करोड़ों रामभक्तों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि इसी के विरोध में भोपाल में यह प्रदर्शन आयोजित किया गया। गौरतलब है कि संसद के मानसून सत्र के दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव साधु के वेश में संसद परिसर पहुंचे थे। विपक्षी सांसदों के साथ उन्होंने राम मंदिर के चढ़ावे में कथित अनियमितताओं को लेकर सांकेतिक प्रदर्शन किया था। विपक्ष ने इसे पारदर्शिता और जांच की मांग से जुड़ा विरोध

डायल-112 की तत्परता से बची युवक की जान

जहरीला पदार्थ खाने के बाद स्वयं डायल-112 पर लगाई मदद की गुहार

लोकेशन ट्रेस कर पुलिस ने 55 किलोमीटर का सफर मात्र 40 मिनट में तय कर पहुँचाया अस्पताल

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पुलिस की आपातकालीन सेवा डायल-112 ने एक बार फिर अपनी त्वरित प्रतिक्रिया, मानवीय संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए एक युवक का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पन्ना जिले के थाना सिमरिया अंतर्गत हरदुआ चौकी क्षेत्र में जहरीला पदार्थ (सल्फास) खाने के बाद गंभीर अवस्था में पहुँचे एक युवक को डायल-112 एवं स्थानीय पुलिस की तत्परता से समय पर उपचार उपलब्ध कराया गया, जिससे उसका जीवन सुरक्षित हो सका।

राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम, डायल-112 भोपाल में एक युवक का सहायता हेतु कॉल प्राप्त हुआ। कॉल करने वाले युवक ने बताया कि उसने जहरीला पदार्थ (सल्फास) खा लिया है। उसकी स्थिति इतनी गंभीर थी कि वह अपनी लोकेशन अथवा पूरी जानकारी स्पष्ट रूप से नहीं दे पा रहा था। इसके बावजूद कंट्रोल रूम द्वारा तकनीकी माध्यम से कॉल की लोकेशन तत्काल ट्रेस कर सूचना थाना सिमरिया एवं हरदुआ चौकी पुलिस के साथ डायल-112 एफआरवी को उपलब्ध कराई गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम बिना समय गंवाए बताए गए क्षेत्र में पहुँची और लोकेशन के आधार पर सघन तलाश शुरू की। पड़रिया मोड़ के समीप सागौन के एक पेड़ के नीचे एक युवक अचेत अवस्था में पड़ा मिला। उसके पास मोटरसाइकिल खड़ी थी तथा सल्फास की गोलियाँ बिखरी हुई थीं। उसकी स्थिति अत्यंत गंभीर थी। परिस्थिति की गंभीरता को देखते हुए डायल-112 के पायलट श्री देवेंद्र कुशवाह एवं सैनिक श्री विनोद द्विवेदी ने बिना किसी विलंब के युवक को डायल 112 वाहन में बैठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पवई के लिए रवाना किया। पुलिस टीम ने लगभग 55 किलोमीटर की दूरी मात्र 40 मिनट में तय करते हुए युवक को समय पर अस्पताल पहुँचाया, जहाँ चिकित्सकों ने तत्काल उपचार प्रारंभ किया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल कटनी रेफर किया गया।

54 वर्ष पुरानी ट्रांसमिशन लाइनें भी बनीं विश्वसनीयता की मिसाल

बैतूल जिले की 20 ईएचवी ट्रांसमिशन लाइनों ने 1500 दिन बिना ब्रेकडाउन के की विद्युत आपूर्ति : ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल/नवप्रदेश। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की बैतूल जिले में स्थित 20 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने विद्युत पारेषण की विश्वसनीयता का उल्लेखनीय रिकॉर्ड स्थापित किया है। इन ट्रांसमिशन लाइनों पर विगत लगभग 1500 दिनों से एक भी ब्रेकडाउन दर्ज नहीं हुआ है और इनके माध्यम से निर्बाध विद्युत पारेषण जारी है। इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इनमें शामिल कुछ ट्रांसमिशन लाइनें वर्ष 1972 में ऊर्जीकृत की गई थीं। लगभग 54 वर्ष पुरानी ये लाइनें आज भी पूरी क्षमता और विश्वसनीयता के साथ संचालित हो रही हैं। दशकों पुरानी परिसंपत्तियों का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन कंपनी की सुदृढ़ मेंटेनेंस व्यवस्था, आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग तथा अभियंताओं और तकनीकी कर्मचारियों की सतत निगरानी का परिणाम माना जा रहा है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि बैतूल जिले की इन 20 ट्रांसमिशन लाइनों सहित प्रदेश में एमपी ट्रांसको की 593 ईएचवी ट्रांसमिशन लाइनें विगत चार वर्षों से बिना किसी ब्रेकडाउन के सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि कंपनी के अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों तथा अनुरक्षण कार्यों में लगे आउटसोर्स कार्मिकों की तकनीकी दक्षता, समर्पण और निरंतर प्रयासों का प्रतिफल है। सारणी क्षेत्र से जुड़ी इन ट्रांसमिशन लाइनों के निरंतर और निर्बाध संचालन का सकारात्मक प्रभाव विद्युत उत्पादन पर भी पड़ा है। ट्रांसमिशन नेटवर्क में किसी प्रकार का ब्रेकडाउन नहीं होने से सारणी विद्युत गृह से उत्पादित विद्युत की निकासी (पावर एवैक्यूएशन) लगातार सुचारु रूप से होती रही। परिणामस्वरूप ट्रांसमिशन की बाधाओं के कारण उत्पादन इकाइयों को किसी प्रकार का लोड प्रतिबंध या उत्पादन कटौती नहीं करनी पड़ी और विद्युत उत्पादन

स्वनिधि से समृद्धि: आत्मनिर्भर शहरी मध्यप्रदेश की ओर थीम पर चलाया जाएगा राज्यव्यापी अभियान

प्रदेश में पीएम स्वनिधि पखवाड़ा हुआ शुरू, 15 अगस्त तक चलेगा

भोपाल/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (PM SVANidhi) योजना देश के शहरी पथ विक्रेताओं को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में स्थापित हुई है। योजना के माध्यम से पात्र पथ विक्रेताओं को चरणबद्ध ऋण, डिजिटल वित्तीय सेवाओं तथा PI-लिंक्ड क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे लाखों परिवारों की आजीविका सुदृढ़ हुई है।

योजना के प्रभाव को और अधिक व्यापक बनाने तथा शेष पात्र पथ विक्रेताओं तक इसकी पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगरीय विकास एवं आवास विभाग,द्वारा 1 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक ÷विशेष पीएम स्वनिधि पखवाड़ा÷ आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश के सभी जिलों, नगरीय निकायों एवं संबंधित सेंसेस टाउन में एक मिशन मोड कार्यक्रम के रूप में संचालित किया जाएगा।

अभियान की थीम ÷स्वनिधि से समृद्धि – आत्मनिर्भर शहरी मध्यप्रदेश की ओर÷ निर्धारित की गई है। अभियान के माध्यम से वित्तीय समावेशन, डिजिटल सशक्तिकरण, स्वरोजगार संवर्धन तथा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को गति प्रदान करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। प्रदेशभर में जनजागरूकता गतिविधियों, विशेष शिविरों, बैंक समन्वय बैठकों, हितग्राही संपर्क अभियानों तथा मीडिया एवं डिजिटल संचार गतिविधियों के माध्यम से अधिकतम पात्र पथ विक्रेताओं तक पहुंच बनाई जाएगी।

विशेष पखवाड़े के दौरान राज्य सरकार द्वारा 20 लाख नवीन आवेदन प्राप्त करने, लगभग 2 लाख पूर्व अस्वीकृत प्रकरणों के पुनरीक्षण, विशेष BLBC (Bankers Level Bankers Committee) एवं DLBC (District Level Bankers Committee) बैठकों के आयोजन, प्रधानमंत्री आवास योजना (BLC) हितग्राहियों के साथ एकीकरण तथा ऋण एवं क्रेडिट कार्ड वितरण को अभियान मोड में संचालित करने पर विशेष फोकस किया जाएगा। पात्र पथ विक्रेताओं के ऋण एवं क्रेडिट कार्ड आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के लिए नगरीय निकायों एवं बैंकों के मध्य समन्वय को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत लंबित ऋण प्रकरणों के शीघ्र निराकरण, क्रेडिट कार्ड आवेदनों को बैंकों को प्रेषित करने, स्वीकृत प्रकरणों का वितरण सुनिश्चित करने, क्रेडिट कार्ड सक्रियकरण बढ़ाने, डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने तथा पथ विक्रेताओं और बैंकर्स के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया जाएगा। साथ ही अधिकतम हितग्राहियों तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए संसाधन व्यक्तियों का चयन एवं स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा।मध्यप्रदेश ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। प्रदेश में अब तक 10.30 लाख से अधिक पथ विक्रेता योजना से लाभान्वित हुए हैं। योजना अंतर्गत 16.35 लाख ऋण प्रकरणों के माध्यम से 2,802.84 करोड़ रूपये से अधिक की ऋण राशि का वितरण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त योजना के अंतर्गत 40 प्रतिशत महिला हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है, जो महिला आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सावन : जब हर धड़कन में गूंजता है 'हर-हर महादेव'

शिव का विराट स्वरूप: हिमालय की शांति, सावन की बारिश और महादेव की भक्ति—तीनों मिलकर सावन को बना देते हैं आस्था, प्रकृति और आत्मचिंतन का अनूठा पर्व

बारिश की बूंदों, बेलपत्र की खुशबू और शिव के नाम से सजा यह महीना सिर्फ आस्था नहीं, भीतर उतरने का भी मौसम है

सावन आते ही जैसे प्रकृति भी शिवमय हो जाती है। आसमान पर घने बादल, मिट्टी की सोंधी खुशबू, पेड़ों पर नई हरियाली और मंदिरों में गूंजता 'हर-हर महादेव'—चारों ओर एक अलग ही ऊर्जा महसूस होने लगती है। बारिश की हर बूंद मानो भगवान शिव के चरणों में अर्पित जल की तरह लगती है।

सावन को भगवान शिव का प्रिय महीना माना जाता है। इस दौरान शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की कतार लगने लगती है। कोई जल चढ़ाता है, कोई दूध और बेलपत्र अर्पित करता है तो कोई सिर्फकुछ पल आंखें बंद कर शिव का नाम लेकर अपने मन का बोझ हल्का कर लेता है।

लेकिन शिव की भक्ति केवल मंदिर तक सीमित नहीं है।

शिव हमें सिखाते हैं–शांत रहना, विष को धारण करना और जीवन की कठिन परिस्थितियों के बीच भी संतुलन बनाए रखना।

समुद्र मंथन से निकले विष को जब संसार के कल्याण के लिए शिव ने अपने कंठ में धारण किया, तभी वे नीलकंठ कहलाए। यही प्रसंग आज भी जीवन का बड़ा संदेश देता है–हर कड़वाहट का जवाब कड़वाहट से देना जरूरी नहीं। कुछ विष ऐसे भी होते हैं जिन्हें अपने भीतर रोककर दूसरों का जीवन बचाया जा सकता है। सावन का सोमवार इसी भावना को और गहरा करता है। सुबह-सुबह मंदिर की घंटियां, शिवलिंग पर गिरती जलधारा, बेलपत्र और धतूरे की सुगंध और भक्तों के स्वर वातावरण को आध्यात्मिक बना देते हैं। गांव से लेकर शहर तक, छोटे से शिवालय से लेकर बड़े मंदिरों तक, हर जगह एक ही पुकार सुनाई देती है–

हर हर महादेव!

सावन इसलिए भी खास है क्योंकि यह हमें प्रकृति के करीब लाता है। बारिश धरती को नया जीवन देती है और सावन मनुष्य को भीतर से नया होने का अवसर देता है। जैसे सूखी धरती बारिश की बूंदों से तृप्त होती है, वैसे ही भागती-दौड़ती जिंदगी में शिव का स्मरण मन को शांति देता है।

शिव की सबसे बड़ी खूबसूरती शायद यही है कि वे राजमहलों के नहीं, श्मशान के भी देवता हैं; वे वैभव के नहीं, वैराग्य के भी प्रतीक हैं। उनके पास न दिखावे की जरूरत है, न किसी विशेष आडंबर की। एक लोटा जल और सच्ची श्रद्धा भी उनके लिए पर्याप्त मानी जाती है।

इसलिए इस सावन सिर्फ शिवालय में जल चढ़ाने के साथ अपने भीतर भी थोड़ा सा शिवत्व जगाएं– क्रोध की जगह शांति,

अहंकार की जगह विनम्रता,

नफ़रत की जगह करुणा

और भागदौड़ के बीच कुछ पल ठहरने की आदत।

क्योंकि सावन केवल कैलेंडर का एक महीना नहींज यह मन को धोने, भीतर की अशांति को शांत करने और जीवन में नई हरियाली उतारने का मौसम है।

सावन का संदेश

जल शिव को चढ़ाएं, लेकिन शांति अपने भीतर उतारें

शिव को जल क्यों चढ़ाते हैं?

सावन में शिवलिंग पर जल चढ़ाने की परंपरा सदियों पुरानी है। इसके पीछे केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि एक गहरा प्रतीकात्मक अर्थ भी जुड़ा है। जल शीतलता का प्रतीक है और शिव को अर्पित किया गया जल मानो मन के भीतर उठते क्रोध, अहंकार और अशांति को शांत करने का संकल्प है। शिव के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा भी शीतलता का प्रतीक माना जाता है। शायद यही वजह है कि सावन में जलाभिषेक करते हुए भक्त अपने जीवन में भी शांति और संतुलन की कामना करते हैं।

एक बेलपत्र, अनेक भाव

शिव पूजा में बेलपत्र का विशेष महत्व है। तीन पत्तियों वाला बेलपत्र शिव के त्रिशूल और तीन गुणों की याद दिलाता है। भक्त जब इसे शिवलिंग पर अर्पित करता है, तो उसके पीछे श्रद्धा के साथ अपने अहंकार और नकारात्मक भावों को छोड़ने की भावना भी जुड़ी होती है।

सावन हमें याद दिलाता है कि पूजा केवल हाथों से नहीं, भावनाओं से भी होती है।

शिव के प्रतीकों में छिपे संदेश

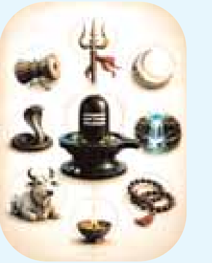

➤ **त्रिशूल** — शक्ति, संतुलन और तीनों लोकों का प्रतीक।

➤ **डमरू** — सृजन और नाद का प्रतीक।

➤ **चंद्रमा** — शीतलता और मन पर नियंत्रण।

➤ **गंगा** — पवित्रता और जीवनदायिनी शक्ति।

➤ **नंदी** — धैर्य, विश्वास और समर्पण।

➤ **नाग** — भय पर विजय और निर्भयता का संदेश। शिव का स्वरूप जितना विराट दिखाई देता है, उसमें छिपे जीवन के संदेश उतने ही सरल हैं।

सावन की असली भक्ति

सावन में मंदिरों में भीड़ बढ़ जाती है, कांवड़ यात्राएं निकलती हैं और शिवालयों में घंटियां गूंजती हैं। लेकिन शिव की भक्ति का अर्थ केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। किसी जरूरतमंद की मदद करना, प्रकृति को बचाना, किसी के दुख में उसके साथ खड़ा होना और अपने भीतर के क्रोध को शांत करना भी शिवत्व की ओर एक कदम है।

क्योंकि महादेव को चढ़ाया गया जल तभी सार्थक है, जब उसके साथ मन में भी थोड़ी शीतलता उतर आए।

व्यंग्य रचना : संक्रमित कुत्ता

डॉ. किशोर अग्रवाल

साइकिल से उतरते समय पूंछ पर जूता रख देने से कुपित होकर एक कुत्ते ने नेताजी को काट लिया और खुद संक्रमित हो गया। वह एक देसी नस्ल का आम कुत्ता था और "सबै भूमि गोपाल की" के सिद्धांत का पालन करते हुए पूरे शहर में घूमा करता था। वंशवृद्धि के दिनों में इसे विस्तार देते हुए और संभावनाएं तलाशने पास के गांव तक भी चला जाता था। दरअसल जब वह ,अभी किशोरवय का ही था तब किसी बात को लेकर गांव के चार पांच गठीले, रौबीले कुत्तों ने उसे घेरकर काफी धमकाया व काट भी लिया। उसके मां बाप उसी गांव के मूल निवासी होने पर भी उसकी एक न सुनी गई और उसे गांव के बाहर तक खदेड़ दिया गया। वह गांव से चलने वाली बैलगाड़ियों के साथ-साथ चलता हुआ शहर आ गया और पिछले सीजन में ब्याह भी कर लिया। इन दिनों लोग खुले ढाबों में खाने की जगह शीशे लगे हुए होटलों में ज्यादा खाने लगे हैं इसलिए बाहर पड़ा हुआ मिलने वाला भोजन, कम पड़ने के कारण कुत्ता कमजोर रहने लगा। शहर में भटकते हुए उसने देखा कि विधायक आवास में काफी मोटे ताजे लोग रहते हैं और वहां खाना भी बहुत सा बाहर फेंका जाता है। बढ़िया खाने के लालच में इसने वहां मुंह मारना शुरू किया ही था कि यह हादसा हो गया। एक नया नया विधायक सुबह की सैर को अपनी साइकिल पर गया था, लौट कर सीधा कुत्ते की पूंछ पर उतर गया।पीड़ा के मारे कुत्ते ने विधायक को काट लिया। काटते ही कुत्ते को अपने स्वभाव में परिवर्तन महसूस हुआ। पहले वह यदा-कदा जरूरत पड़ने पर भौंका करता था पर नेता को काटने के बाद बिना वजह ही भूंकने की इच्छा होने लगी। वह नहर के किनारे किनारे चला आ रहा था कि पास की गली में लेटे दो कुत्तों को देखकर बिना वजह भूंकने लगा। दोनों कुत्तों को यह बात नागवार गुजरी , वे झपटकर इस कुत्ते के पास आए और गुर्राए। पिछले पैरों के बीच दुम दबाकर इस कुत्ते ने मैत्री भाव दर्शाया व उनकी अधीनता भी दीनता से स्वीकार की। दोनों कुत्तों ने इस कुत्ते का भौतिक और रासायनिक परीक्षण किया। कुछ असामान्य सा महसूस कर चिल्ला चिल्लाकर और भूंककर आसपास की बस्तियों के कुत्तों को चेतावनी का ज्ञापन भेज दिया। गली गली से कुत्तों ने भौंक भौंक कर पावती प्रेषित की और अनेक कुत्ते शनैः शनैः बस्ती के बीच से होकर गुजरने वाली नहर की ओर निकलने लगे। नेता को काटने वाले कुत्ते की तो मुसीबत ही हो गई। सारे कुत्ते एक-एक कर आते उसे जगह-जगह से सूंघते और असहमति जताते हुए एक बगावती झुंड सा बनाने लगे। उन्हें इस बात पर सख्त ऐतराज था कि आम आदमियों के बीच रहने वाला कुत्ता यूं नेता को काटकर विशेष हो जाए। यह कुत्तों की अस्मिता का सवाल था। तभी एक सबसे बड़ा कुत्ता दूर से ही जीभ लपलपाता और दांतों को किटकिटाता हुआ आया , आते ही बिना किसी औपचारिक दुआ सलाम के उसने नेता वाले कुत्ते को कूल्हे पर काट लिया।

इस कुत्ते ने फौरन पीठ के बल जमीन पर लेट कर पूरे खींसे निपोर दिए एवं कूं कूं कर घिघियाने लगा। झबरे बड़े कुत्ते ने नाक की नोक चुभा चुभाकर पूरा परीक्षण किया और घोषणा की की इसमें नेता के जीरासिम घुस गए हैं। अब यह कुत्ता नहीं रह गया ,नेता हो गया है। कुछ देर सारे कुत्तों ने खूब लानत मलानत की। इधर उधर से कोंचा। इस कुत्ते को कई बार धकियाया फिर वे इसे छोड़ कर धीरे धीरे अपने गली मोहल्लों में चले गए। कुछ कुत्ते जनहित का ध्यान रखते हुए , अपने में व्यस्त रहने वाले कुत्तों और पालतू घरेलू कुत्तों की जानकारी के लिए थोड़ी थोड़ी देर में भूंक भूंक कर बताते रहे कि सावधान एक कुत्ता नेता से संक्रमित हो गया है। धीरे-धीरे जब यह आवाज बंद हुई तो कुत्ता टेढ़ा मेढ़ा होता और लंगड़ता हुआ बस स्टैंड की ओर चला गया। वहां के होटलों पर प्रायः झूठन मिल जाया करती थी। वह अभी चिकन बोन चूस ही रहा था कि उसने देखा लोग बस कंडक्टर को घेरकर झगड़े पर उतारू हैं। वह बोन छोड़कर वहां पहुंचा और जायजा लेने लगा।

कुछ देर में पता लगा कि जिस बस के टिकट बुक किए गए हैं वह अभी तक डिपो से नहीं चली है और किसी दूसरी खटारा बस में बस कंडक्टर यात्रियों को बैठने को कह रहा है। और वक्त होता तो अनदेखी कर कुत्ता वापस होटल जाकर जूठन खाने लगता पर अभी यह सब जानकर ना चाहते हुए भी कुत्ते को बड़ा गुस्सा आया और वह बस की ओर मुंह करके जोर जोर से भौंकने लगा। बस कंडक्टर झगड़े से पहले ही जला भुना बैठा था। वह बस की सीट के नीचे से एक डंडा निकाल लाया और कुत्ते की कमर पर कसकर टेक दिया। यात्रियों ने भी पास पड़े गिट्टी के ढेर से उठाकर कुत्ते पर पत्थरों की बौछार कर दी। कुत्ता रिरियता कुंकियाता वहां से भागकर सेंट्रल जेल के किचन के पिछवाड़े वाली मोरी में घुसकर अंदर बर्तन मलने की जगह निकल आया। वहां दो तीन सूखी रोटियां पड़ी थी, वह खाई और पत्थर के कुंडे से चाट कर पानी पिया। फिर वह वहीं लेट कर सो गया। बाहर की दुनिया से जेल ज्यादा सुकूनदेह साबित हुई। कुत्ते ने अब जाकर चैन की सांस ली।

नि:शब्द

प्रिया देवांगन

" बिटिया रानी....! मैं सोच रहा हूँ कि तुम पढ़ाई करती रहो और साहित्य सेवा भी; जिससे हमारी साहित्यसेवा बढ़ती रहे। साहित्य सृजन के जरिये हमारी समाजसेवा भी होगी। मुझे तो अभी और आगे बहुत कुछ करना है। तुम क्या सोचती हो इस बारे में ? क्या तुम सहमत हो मेरे इस बात से?" एक साहित्यकार पिता इंद्रजीत ने रूही के पास अपनी स्नेहपूर्वक बात रखी। थोड़ी देर सोचने के बाद रूही बोली- हाँ... हाँ...! पापा क्यों नहीं... ? मुझे आपके साथ अधिक से अधिक समय बिताने को भी मिलेगा; और एक साथ कार्य करने में अच्छा भी लगेगा। रोज अखबारों के पन्नों में बड़े-बड़े अक्षरों में आपके नाम के साथ मेरा भी नाम आएगा।" रूही की बातें सुन इंद्रजीत जी हँस पड़े। रूही मुँह बनाते हुए बोली- "पापा ! इसमें हँसने वाली क्या बात है ? हम ऐसा कार्य करेंगे तो हम दोनों का एक साथ नाम नहीं आएगा क्या ?" इंद्रजीत जी बोले- "बेटा, एक बात जिंदगी में हमेशा ध्यान रखना कि लोगों को नाम के पीछे नहीं भागना चाहिए। कुछ ऐसा काम करो कि स्वयं तुम्हारा नाम हो जाय। हमें लोगों को बताने की जरूरत नहीं पड़ना चाहिए कि हम ऐसा काम कर रहे हैं या बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। जताने की जरूरत नहीं है।" रूही अपना एक हाथ आगे करते हुए बोली- "बस .. बस... पापा जी हो गया।" इंद्रजीत जी को रूही बिटिया का जरा सा रूठना समझ आ गया। बोले-"आज तुम्हें मेरी बात समझ नहीं आएगी। जब तुम जिंदगी का मतलब समझोगी, तब तुम्हें सब एहसास होगा।" रूही बोली- "पापा जी, ये सब बातें मेरी समझ से परे हैं। वैसे भी आप तो मेरे साथ हो ही हमेशा, तो मुझे किस बात की फिक्र रहेगी ; भला बतताइए।" फिर इंद्रजीत जी बोले- " मेरी रानी....! हमेशा तुम मेरे भरोसे मत रहा करो न भाई। कभी खुद भी कुछ कर लिया करो।"

"छोड़ो ना पापा जी, आप भी बस इन्हीं बातों को लेकर बैठ गए ? आप भला कहाँ जायेंगे; बताइए ? चलिए, अब रात बहुत हो चुकी है। सोते हैं। कल सुबह क्या करना है। इसकी योजना तैयार करेंगे। गुड नाईट पापा जी।" कहते हुए रूही अपने बेडरूम में चली गयी। अगली सुबह रूही की आँखें देर से खुली। उठी। उसे इंद्रजीत जी नहीं दिखाई दिये। सोचने लगी कि इतनी देर हो गयी आज पापा मुझे आवाज क्यों नहीं दे रहें है। थोड़ी भी देर होती तो, वे रूही उठो न कितना सोओगी री लड़की। रात भर नहीं सोयी हो क्या। जल्दी उठ कर व्यायाम करना चाहिए ना। कुछ भी नहीं।÷ रूही आज स्वयं उठ गयी थी। इंद्रजीत जी को देख कर घबरा गयी। बोली-"क्या हुआ पापा जी, आप ठीक तो है ना ? क्यों बार-बार पसीना आ रहा है आपको ? हाँफ क्यों रहे हैं आप ? मम्मी... मम्मी...! पापा जी ठीक तो है ना ?" इंद्रजीत जी बोले- "थोड़ी तबीयत ठीक नहीं लग रही है बेटा।" तभी मम्मी बोली- "चलिए डॉक्टर के पास चलते हैं।" इंद्रजीत जी को डॉक्टर के पास ले जाने वाले ही थे कि पता नहीं रूही की आँखों से आँसू रुक ही नहीं रहे थे। तभी इंद्रजीत जी बोले- 'मैं जल्दी आऊँगा बेटा। डोंट वरी माय डियर।" इंद्रजीत जी ने कहा। "नहीं पापा जी। मैं भी आपके साथ जाऊँगी।"रूही की ज़िद में अनुरोध था। अंततः रूही का इंद्रजीत जी के साथ जाना नहीं हो पाया। घर वालों को इंद्रजीत जी का इंतजार करते काफी समय हो गया। थोड़ी देर बाद खबर मिली कि वे अब कभी वापस नहीं आयेंगे। साहित्यकार पिता इंद्रजीत जी की नयन बिछायी पुत्री रूही अब तक निः शब्द हो चुकी थी।

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज आपको सामाजिक क्षेत्र से मान सम्मान मिलेगा लेकिन स्वभाव में थोड़ा रूखापन आने से ज्यादा देर टिकेगा नही। सेहत में स्वयं की गलती से कोई विकार आ सकता है।

वृषः आज के दिन आपको दैनिक कार्यो के अतिरिक्त भाग दौड़ करनी पड़ेगी। दिन के पूर्वार्ध से जिस कार्य को बनाने के लिये प्रयास करेंगे मध्यान बाद उसमे सफलता मिल जाएगी।

मिथुनः आज के दिन आपका भाग्य पक्ष प्रबल रहेगा फिर भी दिन से मिले जुले परिणाम मिलेंगे। दिन के आरंभ में धार्मिक कार्यो में सम्मिलित होने के अवसर मिलेंगे परन्तु रुचि कम होने के कारण मन नही लगेगा।

कर्कः आज के दिन मध्यान तक सेहत में थोड़ी बहुत नरमी रहने के कारण दिनचार्य धीमी रहेगी दैनिक कार्य मे विलंब होने पर आगे के कार्यक्रम भी प्रभावित होंगे।

सिंहः आज का दिन आपको आकस्मिक लाभ की प्राप्ति कराएगा। जिससे आप कोई उम्मीद नही रखते आज वही आपके जीवन मे कोई नई दिशा देगा।

कन्याः आज का दिन भी आपके अनुकूल रहेगा दिन के आरंभ में आपका स्वभाव अत्यंत जिद्दी एवं मनमाना रहेगा फिर भी इससे कुछ ना कुछ लाभ ही होगा कार्य क्षेत्र हो या घर आज अपने बुद्धि विवेक से ही कार्य करें।

तुलाः आज के दिन आप अतिआत्मविश्वास की भावना से ग्रस्त रहेंगे पूर्व में मिली प्रशंसा से मन मे अभिमान आएगा लेकिन आज आपके अधिकांश निर्णय विपरीत ही जाने वाले है।

वृश्चिकः आज का दिन भी अधिकांश समय अशांति में बीतेगा घर मे किसी पुरानी बात अथवा संतानों के कारण प्रातः काल ही संघर्ष की स्थिति बनेगी।

धनुः आज का दिन आपको धन लाभ कराएगा लेकिन आज आपका स्वभाव अत्यंत गर्म रहेगा जिससे किसी ना किसी से मामूली बातो पर उलझ संबंधों में खटास लाएंगे।

मकरः आज भी दिन सामान्य ही रहेगा दिन के आरंभ से ही धन एवं अन्य कार्यो में लापरवाही दिखाएंगे साहस रहेगा लेकिन धैर्य की कमी बनते कार्यो को बिगाड़ सकती है। ठंड से बचे सर्दी जुखाम हो सकता है।

कुंभः आज के दिन भी आप अपनी मस्ती में मस्त रहेंगे कोई कुछ भी कहे एक बार जो निर्णय कर लिया उसे पूरा करके ही मानेंगे। अनैतिक कर्मो से दूर रहे सेहत खराब करेंगे।

मीनः आज का दिन आपके लिये हानि देने वाला रहेगा आज आप जिस भी कार्य अथवा योजना को बनाएंगे आरम्भ में ही उसकी सफलता के प्रति आशंकित रहेंग।

QUIZ TIME

1. किस स्वतंत्रता सेनानी को त्रावणकोर की झाँसी रानी के नाम से जाना जाता हैं?
2. अयोध्या राम मंदिर के मुख्य वास्तुकार कौन हैं?
3. आईक्यू सबसे पहले किसने विकसित किया?
4. फेफड़ों की क्षमता को आमतौर पर किसके द्वारा मापा जाता है?
5. हाल ही में किस ऐतिहासिक बौद्ध स्थल को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है?

RamaQuiz

पहेली

शब्द सामर्थ्य -117

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 116 का हल

न्यूज गैलरी

362 करोड़ की लागत के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि पूजन

जबलपुर/नवप्रदेश। जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी को एम्स बनाया जाएगा। यहां के नागरिकों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी। यह घोषणा शनिवार को नगर निगम द्वारा आयोजित 362 करोड रुपए की लागत के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि पूजन समारोह के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की। इसके अलावा उन्होंने जबलपुर में फर्नीचर क्लस्टर बनाने सहित हर विधानसभा क्षेत्र में सांदीपनि विद्यालय बनाने की घोषणा की। घंटाघर स्थित गीता भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री 362.31 करोड़ रुपये की लागत से तैयार अमृत 1.0 सीवेज परियोजना का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री सिविल लाइन में आधुनिक सुविधाओं से युक्त माडर्न लान्ड्री की सौगात दी। गुरंदी में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से तैयार नए पक्के मत्स्य बाजार का भीलोकार्पण किया। यहां 55 मछली कारोबारियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त दुकानें मिलेंगी। कार्यक्रम के दौरान पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को डिजिटल कार्ड प्रदान किए।

11 लाख अभियान का किया शुभारंभ: इसके पूर्व मुख्यमंत्री मोहन यादव ने डुमना नेचर पार्क में कैच द रेन अभियान के कार्य के साथ ही जापानी मियावाकी पद्धति से पौधारोपण कर नगर निगम द्वारा शुरू 11 लाख पौधारोपण महाअभियान का शुभारंभ किया।

अनुकम्पा नियुक्ति के नियमों को शिथिल किया जाए

जबलपुर/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि प्रदेश के सभी विभागों में राज्य कर्मचारियों के लिए अनुकम्पा नियुक्ति के नियम जटिल होने के कारण किसी भी कर्मचारी की अकास्मिक मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को विभिन्न प्रकार के कठिन नियमों से गुजरना पड़ता है संगठन के राजेश सहारिया, हेमंत ठाकरे, रउफ खान, राकेश श्रीवास, दिनेश गोंड, संतोष चौरसिया, धनराज पिल्ले, गुडविन चार्ल्स, फिलिप अन्थोनी, सुनील झारिया, एनोस विक्टर, उमेश सिंह ठाकुर, रवि जैन, मानसिंह आर्मो, मनमोहन चौधरी, धनराज पिल्ले, देवेन्द्र भट्ट, सुधीर अवधिया, आशीष कोरी आदि ने मुख्यमंत्री से अनुकंपा नियुक्ति शिथिल करने की मांग की है।

पेंशनर्स से किया वादा पूरा करे सरकार

जबलपुर/नवप्रदेश। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अरुण पाण्डेय एवं संभागीय अध्यक्ष व्हीपी शुक्ला ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि केन्द्र के समान देय तिथि से 2 प्रतिशत महंगाई राहत पेंशनर्स को प्रदान किया जाए. एसोसिएशन के अशोक दुबे, केके शुक्ला, एके गौर, संतोष पटेल, अशोक शिवहरे, डॉ एमएल राव, एनपी निगम, पुष्पलता त्रिपाठी, डॉ भारती पाठक, सीपी दुबे, प्रफुल्ल तिवारी आदि ने प्रदेश सरकार से पेंशनर्स को 2 प्रतिशत महंगाई राहत प्रदान करने की मांग की है.

अवैध वसूली और चाकूबाजी के 2 फरार आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर/नवप्रदेश। हनुमानताल थाना पुलिस ने अवैध वसूली और चाकूबाजी के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में 22 वर्षीय अल्ताफ अहमद निवासी बड़ा मदारछल्ला और 31 वर्षीय राजा शेख उर्फ राजा खान निवासी निर्भय नगर, अधारताल शामिल हैं। फरारी के दौरान मुख्य आरोपी अल्ताफ अहमद पर पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने 4 हजार का इनाम घोषित किया था। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर बटनदार चाकू और लाठी बरामद की। दोनों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

चैंबर का स्टार्टअप्स मेंटरशिप प्रोग्राम, सफल उद्योगपति अनुभव करेंगे साझा

जबलपुर/नवप्रदेश। जबलपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने और उन्हें सही दिशा दिखाने के लिए एक बेहद अनोखा और व्यवहारिक मेंटरशिप प्रोग्राम शुरु कर रहा है। इस प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य नए उद्यमियों को सीधें अनुभवी और सफल उद्योगपतियों से जोड़ना है।

एक दिन की लाईव मेंटरशिप: इस अनूठी पहल के तहत जबलपुर के नए स्टार्टअप्स को एक पूरे दिन के लिए शहर के प्रतिष्ठित और स्थापित बिजनेस लीडर (मेंटर) के साथ रहने का मौका मिलेगा।

ऑन-फील्ड लर्निंग: स्टार्टअप फाउंडर पूरे दिन अपने मेंटर की दिनचर्या को करीब से देखेंगे। वे यह समझ सकेंगे कि बड़े बिजनेस के फैसले कैसे लिए जाते हैं, टीम को कैसे मैनेज किया जाता है और रोजमर्रा की चुनौतियों का सामना कैसे किया जाता है। इच्छुकजन जबलपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कार्यालय से सीधे संपर्क कर पंजीकरण की प्रक्रिया और तारीखों की जानकारी ले सकते हैं। जबलपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष प्रेम दुबे, कमल ग्रोवर, राधेश्याम अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अजय बख्तावर, पंकज महेश्वरी, बलदीप मैनी, मुकेश अग्रवाल (बंसाला), रजनीश त्रिवेदी, शशिकांत पांडेय, जुगल तिवारी, उमेश ग्रावकर, आदि ने आग्रह किया है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस प्रोग्राम से जुड़ने के लिए कार्यालय में संपर्क करें।

ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

श्मशान और स्कूल की जमीन पर पौधारोपण का विरोध

जबलपुर/नवप्रदेश।

पनागर क्षेत्र के पिपरिया मढ़ियाटोला में शासकीय एवं कोटवारी भूमि पर नगर निगम द्वारा कराए जा रहे पौधारोपण का शनिवार को ग्रामीणों ने विरोध किया। फेंसिंग किए जाने की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे तथा ग्रामीणों से चर्चा कर स्थिति को शांत कराया। इस दौरान ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई। ग्रामीणों का कहना है कि वार्ड क्रमांक 79 स्थित खसरा नंबर 252/1 और 252/2 की भूमि का उपयोग पिछले करीब 100 वर्षों से अंतिम संस्कार और मवेशियों के निस्तार के लिए किया जाता रहा है। उनका आरोप है कि बिना स्थानीय लोगों की सहमति के यहां फेंसिंग कर स्थायी वृक्षारोपण कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों के आवागमन और पारंपरिक उपयोग की भूमि प्रभावित होगी।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि इससे सटी खसरा नंबर 198/2 की भूमि स्कूल शिक्षा विभाग एवं ट्रेनिंग सेंटर के लिए आरक्षित है। उनका कहना है कि यदि इस क्षेत्र में स्थायी वृक्षारोपण कर दिया गया तो भविष्य में स्कूल विस्तार, खेल मैदान, छात्रावास और सामुदायिक भवन जैसी सुविधाओं के निर्माण में बाधा उत्पन्न होगी। ग्रामीणों ने मांग की कि वृक्षारोपण किसी अन्य उपलब्ध शासकीय भूमि पर कराया जाए तथा संबंधित भूमि को शिक्षा और सार्वजनिक उपयोग की योजनाओं के लिए सुरक्षित रखा जाए। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों पर विचार कर जल्द उचित समाधान निकाला जाएगा। मौके पर तहसीलदार पहुंची उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा की और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

छात्राओं ने फूंका सांसद कंगना रनौत का पुतला

जबलपुर/नवप्रदेश।

नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी के विरोध में नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को लेकर भाजपा सांसद कंगना रनौत की सोशल मीडिया टिप्पणी के विरोध में शनिवार को जबलपुर में प्रदर्शन किया गया।

घंटाघर चौराहे पर छात्रा नेता रुचिका गुप्ता के नेतृत्व में छात्राओं ने सांसद का पुतला दहन कर उनके इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आंदोलनरत छात्रों और महिलाओं के प्रति की गई टिप्पणी अनुचित है तथा जनप्रतिनिधि को इस प्रकार की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे युवाओं का अपमान स्वीकार नहीं किया जाएगा। उनका आरोप था कि छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हुए प्रदर्शन के दौरान चेतावनी दी गई कि यदि सांसद के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

विवाद कंगना रनौत की उस सोशल मीडिया पोस्ट के बाद शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे जेन-जी युवाओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

सिहोरा-मझौली की 14 जल उपभोक्ता संस्थाओं के चुनाव का कार्यक्रम घोषित

5 से 12 अगस्त तक होंगे नामांकन

जबलपुर/नवप्रदेश।

सिहोरा और मझौली क्षेत्र की 14 जल उपभोक्ता संस्थाओं के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी की स्वीकृति के बाद चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इन संस्थाओं में अध्यक्ष पद के साथ 114 प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के सदस्यों का निर्वाचन कराया जाएगा। नर्मदा घाटी विकास संभाग क्रमांक-4 के कार्यपालन यंत्री ए.के. तिवारी ने बताया कि करीब 30,895 हेक्टेयर कमांड क्षेत्र के पात्र मतदाता इस चुनाव में भाग लेंगे। निर्वाचन संबंधी आदेश संबंधित ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर चस्पा कर दिए गए हैं। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी 5 अगस्त से 12 अगस्त 2026 तक सिहोरा एवं मझौली तहसील कार्यालयों में नाम निर्देशन पत्र जमा कर सकेंगे। इसके बाद प्राप्त आवेदनों की जांच सहित निर्वाचन की अन्य वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। प्रशासन ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2 सितंबर 2026 को सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्त होने के बाद नियमानुसार मतगणना और सारणीकरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी तथा 3 सितंबर को परिणाम घोषित किए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि नए प्रतिनिधियों के चयन से सिंचाई प्रबंधन और जल संसाधनों के संचालन को मजबूती मिलेगी, जिससे क्षेत्र के किसानों को बेहतर लाभ मिलने की उम्मीद है।

राष्ट्रपति करेंगी जबलपुर के अमित कुमार का सम्मान

जबलपुर/नवप्रदेश।

रांझी के बापू नगर निवासी 38 वर्षीय अमित कुमार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सम्मानित करेंगी। उन्हें राष्ट्रपति भवन से विशेष आमंत्रण प्राप्त हुआ है, जिसमें सम्मान समारोह के साथ राष्ट्रपति के भोज में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया गया है। अमित का चयन श्रम एवं रोजगार मंत्रालय से संबद्ध अटल पेंशन योजना में नियमित अंशदान करने वाले देशभर के 10 हितग्राहियों में हुआ है। वर्ष 2018 से योजना से जुड़े अमित हर माह बिना किसी चूक के 130 रुपये का प्रीमियम जमा कर रहे हैं। 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर उन्हें योजना के तहत प्रतिमाह तीन हजार रुपये पेंशन प्राप्त होगी। शुक्रवार को खमरिया डाकघर से मिले फोन के बाद डाक विभाग के अधिकारियों ने अमित के घर पहुंचकर राष्ट्रपति भवन से भेजा गया आधिकारिक आमंत्रण पत्र सौंपा। निमंत्रण के साथ हवाई यात्रा, राष्ट्रपति भवन

में प्रवेश पास, एक दिन के ठहरने की व्यवस्था और स्मृति उपहार की जानकारी भी दी गई है। अमित ने कहा कि करोड़ों लोगों के बीच उनका चयन होना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। इस उपलब्धि की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और मोहल्ले में खुशी का माहौल है तथा लोग इसे जबलपुर के लिए सम्मान का विषय बता रहे हैं।

स्कूल बसों पर आरटीओ की सख्ती

बिना परमिट चल रही बस पर 55 हजार का जुर्माना

जबलपुर/नवप्रदेश।

जबलपुर में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। अधारताल के धनी की कुटिया स्थित बेथल मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल में आरटीओ की टीम ने औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान सात वाहनों की पड़ताल में एक बस बिना वैध परमिट संचालित पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए 55 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

आरटीओ श्रीमती रिंकू शर्मा के नेतृत्व में परिवहन विभाग की टीम ने स्कूल परिसर में खड़े सात वाहनों के फिटनेस, बीमा, परमिट और अन्य जरूरी दस्तावेजों की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान वाहन क्रमांक एमपी 20 जेड एस 1613 के पास वैध परमिट नहीं मिला, जिसे नियमों का गंभीर उल्लंघन माना गया।

मामले में स्कूल प्रबंधन ने परिवहन विभाग को लिखित आश्वासन दिया कि संबंधित वाहन का परमिट जल्द बनवाया जाएगा और तब तक उसका संचालन नहीं किया जाएगा। इसके बाद विभाग ने मौके पर ही 55 हजार रुपये का चालान वसूल कर कार्रवाई पूरी की।

आरटीओ रिंकू शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्कूल वाहन को सड़क पर उतारने से पहले उसके सभी वैधानिक दस्तावेज पूर्ण और वैध होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

परिवहन विभाग का कहना है कि स्कूली वाहनों की औचक जांच आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित हो और विद्यार्थियों का सफर पूरी तरह सुरक्षित बनाया जा सके।

शादी से इनकार पर युवती पर चाकू से जानलेवा हमला

आरोपी ने भी किया मारपीट का शिकार होने का दावा

जबलपुर/नवप्रदेश। भेड़ाघाट थाना क्षेत्र में शादी से इनकार करने पर एक युवती पर चाकू से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से घायल युवती को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं आरोपी युवक ने भी अपने साथ मारपीट होने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार 27 वर्षीय युवती की शादी की बातचीत गोरखपुर निवासी 30 वर्षीय शुभम जांगड़े से चल रही थी। बाद में युवती के परिजनों ने समाज अलग होने का हवाला देते हुए रिश्ता ठुकरा दिया, जिसके बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। बताया गया कि शनिवार सुबह करीब 8ः30 बजे युवती ड्यूटी के लिए जा रही थी। शिवालय परिसर के पास शुभम जांगड़े ने बाइक से उसका रास्ता रोक लिया और शादी से इनकार का कारण पूछने लगा। युवती द्वारा स्पष्ट मना करने पर आरोपी ने कथित रूप से गाली-गलौज की और चाकू से हमला कर दिया। हमले में घायल युवती को तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया।

भेड़ाघाट थाना पुलिस ने आरोपी शुभम जांगड़े के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 109(1), 126(2), 296(बी) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

आरोपी का भी दावा: दूसरी ओर शुभम जांगड़े ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उसका कहना है कि युवती से बातचीत के दौरान विवाद हुआ, जिसके बाद आसपास मौजूद 2-3 लोगों ने उसके साथ मारपीट की। उसने बताया कि वहां से भागते समय मानेगांव के पास उसकी बाइक फिसल गई, जिससे उसे सिर, हाथ और पैर में चोटें आईं। पुलिस ने उसकी शिकायत पर भी बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

रामपुर का शिव मंदिर 1942 में बना या 200 साल पुराना

जिला अदालत ने एएसआई या सक्षम विभाग से मांगी जांच रिपोर्ट

जबलपुर/नवप्रदेश। रामपुर चौक स्थित डेलीमा कंपाउंड के शिव मंदिर की वास्तविक उम्र और ऐतिहासिक महत्व को लेकर चल रहे विवाद में जिला अदालत ने अहम आदेश पारित किया है। सिविल जज (सीनियर डिवीजन) श्वेता खरे की अदालत ने जबलपुर कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) या किसी अन्य सक्षम विभाग के माध्यम से मंदिर की जांच कराकर उसकी निर्माण अवधि और वास्तविक क्षेत्रफल का सत्यापन कराया जाए।

यह आदेश ऊषा डेलीमा द्वारा अंजू भार्गव के विरुद्ध दायर सिविल वाद की सुनवाई के दौरान पारित किया गया। मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त 2026 को निर्धारित की गई है।

मंदिर की उम्र पर आमने-सामने दोनों पक्ष

वाद में ऊषा डेलीमा का दावा है कि शिव मंदिर का निर्माण उनके दादा स्वर्गीय साइमन डेलीमा ने वर्ष 1942 में कराया था। दूसरी ओर अंजू भार्गव का कहना है कि यह मंदिर करीब 200 वर्ष पुराना है और इसका पुरातात्विक महत्व भी है। दोनों दावों में बड़े अंतर के चलते विवाद न्यायालय तक पहुंचा।

आयोग से जांच कराने की मांग

अंजू भार्गव की ओर से दायर आवेदन में मंदिर की वास्तविक निर्माण अवधि निर्धारित करने के लिए न्यायालय से जांच आयोग नियुक्त करने की मांग की गई थी। आवेदन पर सुनवाई के बाद अदालत ने कलेक्टर को निर्देशित किया कि एएसआई अथवा अन्य सक्षम तकनीकी विभाग के माध्यम से जांच कराई जाए।

दस्तावेजों और स्थल दोनों का होगा परीक्षण

अदालत ने स्पष्ट किया है कि जांच केवल मंदिर के भौतिक निरीक्षण तक सीमित नहीं रहेगी। आयोग दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का भी परीक्षण करेगा और यह रिपोर्ट देगा कि मंदिर का निर्माण कब हुआ तथा वर्तमान में उसका वास्तविक क्षेत्रफल कितना है। वाद में वादी ऊषा डेलीमा की ओर से अधिवक्ता बी.एस. खरे, प्रतिवादी अंजू भार्गव की ओर से अधिवक्ता शांतनु अयाची एवं आदर्श हीरा, जबकि राज्य शासन की ओर से अनिल तिवारी ने न्यायालय में पक्ष रखा।

बारिश में खुले में उपज रखने मजबूर किसान

दो दर्जन से ज्यादा किसान शेड पर ट्रकों का कब्जा

जबलपुर/नवप्रदेश।

संभाग की सबसे बड़ी कृषि उपज मंडी में किसानों की सुविधा के लिए बनाए गए दो दर्जन से अधिक शेड अब अपने मूल उद्देश्य से भटक चुके हैं। जिन शेडों का निर्माण किसानों की फसल को बारिश, धूल और धूप से बचाने के लिए किया गया था, वहां अब भारी वाहन खड़े किए जा रहे हैं। नतीजा यह है कि बारिश के मौसम में किसान अपनी उपज खुले आसमान के नीचे रखने को मजबूर हैं और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

मंडी प्रशासन लगातार यह दावा करता रहा है कि शेडों में खड़े होने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है, लेकिन मौके की स्थिति इन दावों की पोल खोल रही है। अनाज, फल,

टमाटर और सब्जी मंडी विंग में बने कई शेडों के नीचे भारी वाहन खड़े मिले, जबकि किसानों को अपनी उपज रखने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं मिल रहा है।

शेड की जगह ट्रकों की पार्किंग: मंडी परिसर में बने शेडों का फर्श सड़क से ऊंचा बनाया गया है ताकि बारिश का पानी और धूल किसानों की उपज तक न पहुंचे। इसके बावजूद भारी वाहनों को इन्हीं प्लेटफॉर्म पर चढ़ाकर पार्क किया जा रहा है। कई स्थानों पर एक ही शेड के नीचे बड़ी संख्या में वाहन खड़े होने से किसानों के लिए जगह पूरी तरह घिर गई है।

सरकारी संपत्ति को भी नुकसान: भारी वाहनों को ऊंचे प्लेटफॉर्म पर चढ़ाने के कारण शेडों के फर्श और किनारे टूटने लगे हैं। इससे किसानों की सुविधा प्रभावित होने के साथ-साथ सरकारी संपत्ति भी क्षतिग्रस्त हो रही है। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो मरम्मत पर अतिरिक्त सरकारी खर्च भी करना पड़ेगा।

अतिक्रमण ने बढ़ाई परेशानी: वाहनों की आड़ में कई स्थानों पर स्थायी अतिक्रमण भी दिखाई दे रहा है। शेडों के नीचे फसल के कार्टन, खाली डिब्बे, ठेले और अन्य सामान रखा जा रहा है। इससे किसानों के लिए उपलब्ध स्थान और भी कम हो गया है। मंडी में नियमित निगरानी की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है।

मंडी इंस्पेक्टर की निगरानी पर सवाल: मंडी परिसर में शेडों का उपयोग निर्धारित नियमों के अनुसार हो रहा है या नहीं, इसकी निगरानी की जिम्मेदारी मंडी अमले की है। इसके बावजूद शेडों में वाहन पार्किंग और अतिक्रमण लगातार जारी रहने से निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। किसानों का कहना है कि यदि समय पर कार्रवाई होती तो उन्हें बारिश में अपनी उपज खुले में रखने की नौबत नहीं आती। सचिव बोले- फिर से वाहन मिले तो हटाए जाएंगे ज

आजीविका को मजबूत करने की दिशा में जी-राम-जी की महत्वपूर्ण भूमिका

मुंगेली/नवप्रदेश। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साथ-साथ स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण कर आजीविका को मजबूत करने की दिशा में विकसित भारत जी-राम-जी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन में जिले में जल संरक्षण, सिंचाई सुविधा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे कार्यों का सकारात्मक असर अब किसानों के खेतों में दिखाई देने लगा है। विकासखण्ड पथरिया की ग्राम पंचायत सांवतपुर में हितग्राही ननकू-मन्नू के खेत में निर्मित डबरी इसका प्रेरक उदाहरण है। समन्वयक महेश कुमार डाहिरे ने बताया कि डबरी का आकार 23म23 मीटर है। इसके निर्माण के लिए लगभग 02 लाख 99 हजार 174 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। निर्माण कार्य के दौरान 914 मानव दिवस रोजगार का सृजन हुआ, जिससे ग्रामीण श्रमिकों को गांव में ही रोजगार का अवसर मिला। अब यह डबरी केवल एक जल संरचना नहीं, बल्कि किसान के लिए सिंचाई और जल सुरक्षा का स्थायी साधन बन गई है। वर्षा के दौरान इसमें पानी का संचयन होगा, जिसका उपयोग आवश्यकता के अनुसार खरीफ एवं रबी फसलों की सिंचाई में किया जा सकेगा। इससे खेती में पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और किसानों को सिंचाई के लिए बाहरी संसाधनों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। डबरी निर्माण ने योजना के दोहरे उद्देश्य को साकार किया है। एक ओर ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला, वहीं दूसरी ओर किसान

के खेत में ऐसी परिसंपत्ति तैयार हुई जो आने वाले वर्षों तक उपयोगी रहेगी। डबरी में जल संचयन से भू-जल पुनर्भरण, जल संरक्षण और जलवायु अनुकूल कृषि को भी बढ़ावा मिलेगा। जल उपलब्धता बढ़ने से फसल उत्पादन को स्थिरता मिलने के साथ खेती की लागत कम करने में भी मदद मिलेगी। इस प्रकार ग्रामीण रोजगार को कृषि उत्पादकता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण से जोड़कर गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में यह कार्य महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी योजना के माध्यम से निर्मित डबरी, खेत तालाब एवं अन्य जल संरक्षण संरचनाएं ग्रामीण विकास की मजबूत आधारशिला हैं। इससे एक ओर ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलता है, वहीं दूसरी ओर किसानों को सिंचाई की स्थायी सुविधा प्राप्त होती है। जिले में जल संरक्षण और आजीविका संवर्धन से जुड़े ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे ने कहा कि व्यक्तिगत लाभ के डबरी निर्माण जैसे कार्य ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। ग्राम पंचायत सांवतपुर में 914 मानव दिवस का रोजगार सृजन योजना के रोजगार उपलब्ध कराने और स्थायी परिसंपत्ति निर्माण के दोहरे उद्देश्य को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करता है।

न्यूज गैलरी

नियमित बारिश से खेती में आई तेजी

मुंगेली/नवप्रदेश। क्षेत्र में कुछ दिनों से लगातार बारिश के चलते किसान पूरी तरह खेती किसानी में रम गए है। मानसून के आगमन पर क्षेत्र में बारिश की कमी से किसान खांसे चिंतित नजर आ रहे थे। धान के बीज डालने के पश्चात् बारिश की कमी से चिंतित दिखाई दे रहे थे, लेकिन अब बारिश होते ही धान रोपाई कार्य किसानों द्वारा शुरू हो गया है। जिससे मजदूरों को लेकर खिचातानी हो रही है। कुछ लोग तो बाहर से मजदूरों को लाकर अपना कार्य पूरा कर रहे है। कई स्थानों पर लगातार पानी गिरने के कारण दोबारा धान बोया गया।

बिजली दरों और स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस का आंदोलन

मनेंद्रगढ़/एमसीबी/नवप्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) द्वारा बढ़ी हुई बिजली दरों, 'बिजली बिल हाफ' योजना वापस पूर्व की तरह करने और स्मार्ट मीटर के विरोध को लेकर कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। वार्ता के दौरान पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं का मानसिक और आर्थिक शोषण किया जा रहा है। लोगों को भारी-भरकम बिल थमाए जा रहे हैं और बिना सहमति के मीटर थोपे जा रहे हैं, जिसे कांग्रेस कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर के अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने आगे की रणनीति साझा करते हुए बताया कि पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत करेगी। पहले चरण में बिजली दरों में वृद्धि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन होगा, जबकि दूसरे चरण में गांव-गांव और घर-घर जाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा तथा उपभोक्ताओं से विरोध पत्र भरवाए जाएंगे। इसके बाद बिजली कार्यालयों का घेराव और व्यापक जन आंदोलन किया जाएगा।

पातालेश्वर शिवलिंग की जलहरी में श्रावण में स्वयं होता है मां नर्मदा का अभिषेक

अमरकंटक/नवप्रदेश। अमरकंटक में पातालेश्वर महादेव मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है। मान्यता है कि श्रावण माह के एक सोमवार को मां नर्मदा स्वयं पातालेश्वर शिवलिंग की जलहरी में

पहुंचकर भगवान शिव का अभिषेक करती हैं। इस दौरान शिवलिंग के ऊपर तक जल भर जाता है, जबकि वर्ष के अन्य समय ऐसा नहीं होता। मैकल पर्वत श्रृंखला में स्थित अमरकंटक को मां नर्मदा का उद्गम स्थल माना जाता है। नर्मदा मंदिर से करीब 100 मीटर दक्षिण स्थित यह प्राचीन मंदिर कलचुरी काल का है। माना जाता है कि इसका निर्माण 11वीं शताब्दी में कलचुरी शासक करण देव ने कराया था। जनश्रुति के अनुसार आदि गुरु शंकराचार्य ने यहां साधना की और मां नर्मदा अष्टक स्तोत्र की रचना भी की थी। लगभग 10 फीट गहराई में स्थित पातालेश्वर शिवलिंग के दर्शन के लिए श्रावण मास में हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं।

13 लाख रुपये के गांजे के साथ दो महिलाएं समेत चार तस्कर गिरफ्तार

सक्ती/नवप्रदेश। सक्ती जिले की बिर्रा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 13 लाख रुपये से अधिक कीमत के 26 किलो 800 ग्राम गांजे के साथ दो महिलाओं सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक कार और पायलटिंग के लिए इस्तेमाल की जा रही एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है।पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में 1 अगस्त को बिर्रा पुलिस को सूचना मिली कि भटगांव से बसंतपुर की ओर एक कार में गांजा ले जाया जा रहा है, जिसकी पायलटिंग एक मोटरसाइकिल सवार कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने महानदी पुल के पास घेराबंदी कर दोनों वाहनों को रोक लिया। एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद कार की तलाशी में अलग-अलग पैकेटों में 26.800 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।मामले में विजय बघेल, उत्तम चन्द्रा, भूरीबाई बघेल और सव्या शर्मा को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जल जीवन मिशन के कार्यों की कलेक्टर ने की समीक्षा, अफसरों को दिए दिशा-निर्देश

अधिकारी समन्वय से लंबित योजनाओं को प्राथमिकता से पूरा करें : कलेक्टर

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने शुक्रवार को जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आपसी समन्वय से सभी लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। उन्होंने कहा कि हर घर तक कार्यशील नल कनेक्शन के माध्यम से नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सभी संबंधित विभाग गंभीरता और जवाबदेही के साथ कार्य करें।

बैठक में कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के तहत हस्तांतरित एकल ग्राम योजनाओं एवं समूह जलप्रदाय योजनाओं की प्रगति की

बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि 15वें एवं 16वें वित्त आयोग की राशि का प्राथमिकता से उपयोग जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को पूर्ण करने में किया जाए।

क्षतिग्रस्त पाइपलाइन अथवा अन्य कारणों से जलापूर्ति बाधित है, उनके लिए कार्ययोजना बनाकर शीघ्र जलापूर्ति सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने पूर्ण हो चुके कार्यों का ग्राम पंचायत एवं जनपद पंचायत से सत्यापन कराने के बाद उनका हस्तांतरण एवं भुगतान समयबद्ध रूप से करने के निर्देश दिए, बैठक में पंप चोरी की घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए कलेक्टर ने तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जलस्त्रोतों के संरक्षण एवं भू-जल स्तर बनाए रखने के लिए व्यापक स्तर पर सोख्ता गड्ढों का निर्माण कराने, पंचायतों के माध्यम से नल-जल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव का आवश्यक प्रशिक्षण देने तथा भुगतान के अनुरूप भौतिक प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने जर्जर एवं अनुपयोगी पानी की टंकियों को चिन्हित कर उन्हें सुरक्षित तरीके से डिस्मेंटल करने के निर्देश दिए। उन्होंने नल-जल योजनाओं की भी समीक्षा करते हुए चयनित गांवों में शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में एसएसपी भोजराम पटेल, जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पंचायतों को मिलेगा संचालन का प्रशिक्षण

कलेक्टर ने जलस्रोत संरक्षण के लिए सोख्ता गड्ढों का निर्माण, पंचायतों को नल-जल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव का प्रशिक्षण देने तथा जर्जर पानी की टंकियों को सुरक्षित ढंग से हटाने के निर्देश दिए। बैठक में एसएसपी भोजराम पटेल और जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम सूर्य घर योजना का लाभ लेने लोगों को प्रेरित करें: कुंदन

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में समीक्षा बैठक ली। बैठक में पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति, आवेदन की स्थिति तथा विद्युत व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों से आवेदन भरवाए जाएं तथा उन्हें योजना का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया जाए। उन्होंने लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के लिए नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सूर्यघर योजना की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अवैध विद्युत हुकिंग के संबंध में भी ब्लॉकवार जानकारी ली गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अवैध हुकिंग पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाएं। एसएसपी भोजराम पटेल ने कहा कि अवैध विद्युत हुकिंग कानूनन अपराध है और इससे जन-धन दोनों को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। एसएसपी ने निर्देश दिए कि अवैध हुकिंग के मामलों में त्वरित विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा दोबारा ऐसी गतिविधि न हो, इसके लिए प्रभावी निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विद्युत अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

देह व्यापार के दो अड्डों पर एक साथ छापेमारी दो महिलाओं समेत चार आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी के मार्गदर्शन में प्रभारी नगर पुलिस अधीक्षक एवं साइबर डीएसपी उन्नति ठाकुर के नेतृत्व में थाना साइबर, कोतवाली एवं जूटमिल पुलिस की संयुक्त टीम ने शहर के दो अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापेमार कार्रवाई कर अनैतिक देह व्यापार के दो अड्डों का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई के दौरान दो महिलाओं सहित चार

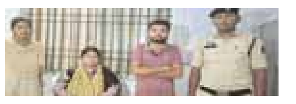

आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो नाबालिग बालिकाओं को संरक्षण में लेकर काउंसलिंग के बाद उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि लालटंकी दानीपारा स्थित लक्ष्मी शर्मा के मकान में लड़कियों को बुलाकर देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से एक पाइंटर ग्राहक को 1,500 रुपये देकर मकान भेजा।

पूर्व निर्धारित संकेत मिलते ही प्रभारी सीएसपी एवं साइबर डीएसपी उन्नति ठाकुर के नेतृत्व में थाना प्रभारी साइबर विजय चेलक, उप निरीक्षक संजय नाग, ऐनु देवांगन, विजय एक्का एवं संयुक्त पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान मकान में संचालिका लक्ष्मी शर्मा (46 वर्ष) पति मौजूद मिली।

सरकारी पारा विद्यालय में नपा अध्यक्ष ने किया साइकिल वितरण

पेण्ड्रा/नवप्रदेश। सरकारी पारा विद्यालय, पेण्ड्रा में सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत छात्राओं को साइकिलों का वितरण गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा के अध्यक्ष राकेश जालान ने छात्राओं को साइकिलें वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। अपने संबोधन में जालान ने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने वाली महत्वपूर्ण योजना है। इससे दूर-दराज़ से आने वाली छात्राओं को विद्यालय

आने-जाने में सुविधा मिलेगी, समय की बचत होगी तथा उनकी पढ़ाई नियमित रूप से जारी रहेगी। उन्होंने छात्राओं से मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने माता-पिता और विद्यालय का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के पश्चात जालान ने विद्यालय का निरीक्षण किया तथा विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं आवश्यक विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके।

नशीले इंजेक्शन के अवैध कारोबार का एक और आरोपी गिरफ्तार

चिरमिरी/एमसीबी/नवप्रदेश। नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत थाना चिरमिरी पुलिस ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। ज्ञात हो कि 15 मार्च 2026 को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी विवेक पटेल के कब्जे से प्रतिबंधित और 180 नशीले इंजेक्शन जब्त किए थे। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना के दौरान मुख्य आरोपी के मेमोरेंडम कथन से मिले सुराग के आधार पर पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। इस मामले में पूर्व में रीतेश समुझे की गिरफ्तारी हो चुकी थी, जबकि घटना के बाद से फरार चल रहा आरोपी पुष्पेन्द्र कुमार पटेल, निवासी चिरचा) को 31 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया।

स्कूल में जलभराव: बीईओ समेत तीन को नोटिस

मुंगेली/नवप्रदेश। मुंगेली विकासखंड के ग्राम नेवासपुर स्थित माध्यमिक शाला में भारी बारिश के कारण हुए जलभराव और कीचड़ की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर कुन्दन कुमार ने तत्काल संज्ञान लिया है। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा समय पर अव्यवस्था की सूचना नहीं देने पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) विमित्रा घृतलहरे, विद्यालय के प्रधानपाठक एवं संकुल समन्वयक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि विद्यालय लो-लाइन क्षेत्र में स्थित होने के कारण पिछले सप्ताह हुई भारी बारिश के बाद परिसर में जलभराव एवं कीचड़ की स्थिति बन गई थी। इस संबंध में मीडिया एवं सोशल मीडिया में समाचार प्रसारित होने के बाद कलेक्टर ने तत्काल जांच के निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा और विद्यालय की मूलभूत व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि कलेक्टर द्वारा शिक्षा विभाग की बैठक लेकर स्कूलों की समय-समय पर निरीक्षण करने तथा विद्यालयों की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने, एवं विद्यालयों में किसी भी प्रकार की समस्या होने की स्थिति में तत्काल अवगत कराने स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद भी समय पर अव्यवस्था संबंधित सूचना नहीं देने पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि बेहतर शैक्षणिक परिवेश, बच्चों के उज्जवल भविष्य की आधारशिला है। जिले के प्रत्येक विद्यालय में बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ, अनुशासित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को भी नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हुए स्कूलों का नियमित निरीक्षण करने एवं व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए हैं।

पेज 1 का शेष...

प्रीति-जैस्मिन-सोमन ने जीते...

मेडल से संतोष करना पड़ा। जैस्मिन ने फाइनल में नॉर्दर्न आयरलैंड की मिकाएला वॉल्स और प्रीति ने कनाडा की सवाना डोलमागो को हराया। इसके साथ ही भारत के 8 गोल्ड सहित कुल 30 मेडल हो गए हैं। भारत मेडल टैली में छठे स्थान पर पहुंच गया है। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने सातवां गोल्ड मेडल जीत लिया है। जैस्मिन लांबोरिया ने विमेंस बॉक्सिंग की 57 केजी कैटेगरी के फाइनल में नॉर्दर्न आयरलैंड की मिकाएला वॉल्स को हराकर गोल्ड जीता। इससे पहले विमेंस बॉक्सिंग के 54 केजी वर्ग में प्रीति पवार ने कनाडा की सवाना डोलमागो को हराकर गोल्ड अपने नाम किया था। इसके साथ ही भारत के 7 गोल्ड सहित कुल 27 मेडल हो गए हैं। भारत मेडल टैली में छठे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं, भारत के 8 और मुक्केबाज गोल्ड मेडल के लिए फाइनल में उतरेंगे।

आतंकियों ने ईंट भट्ठा...

की तलाश की जा रही है। सूत्रों के अनुसार एक बाइक पर 2 आतंकी आए थे। इनके लश्कर की विंग द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के होने का अनुमान है। दरअसल, टीआरएफ नॉन लोकल को निशाना बनाता रहा है।

सीएम ने किया मुआवजा का ऐलान

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मृतकों के परिवार को पहले से दिए जा रहे 6 लाख के मुआवजा के अलावा मुख्यमंत्री राहत कोष से भी 10 लाख रुपए की राशि दी जाएगी।

पहले एयरपोर्ट के नाम एक...

लिए बहुत अहम है। उत्तर आंध्र की भूमि पर आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। आज 18 हजार करोड़ की योजनाओं का शुभारंभ हुआ है। विकास कार्य इस बात के प्रतीक है कि आंध्र किस तरह आज आगे बढ़ रहा है। विकास के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। आज का ये आयोजन नया इतिहास, नया रिकॉर्ड रचने का भी है।'

आजादी का मतलब मर्जी...

वास्तविक अर्थ यह नहीं है। हमें यह समझाना होगा कि देश की आजादी के पीछे एक लंबा संघर्ष और इतिहास रहा है।' दरअसल, 1 अगस्त को अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक पुरस्कार मिला। इस कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

शाह बोले- डोभाल को एनएसए बनाना मोदी का पहला फैसला

शाह ने बताया कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी द्वारा लिए गए पहले फैसलों में से एक अजीत डोभाल को एनएसए नियुक्त करना था। उन्होंने कहा कि इस कदम ने भारत के रणनीतिक रुख को बदल दिया। आज भारत की विदेश नीति में फौलाद जैसी मजबूती है और हमने आत्मसम्मान के साथ दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत की है।

जीएसटी कलेक्शन में...

रहा है। रिफंड को समायोजित करने के बाद, शुद्ध (नेट) जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 15.8% बढ़कर 1.81 लाख करोड़ रुपये हो गया। जुलाई में घरेलू जीएसटी संग्रह 10.1% बढ़कर 1.44 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात से मिलने वाला जीएसटी राजस्व 28.8% की छलांग लगाकर 66,511 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो स्वस्थ घरेलू मांग और मजबूत आयात गतिविधि को दर्शाता है।

भोपाल समेत कई जिलों

है। पिछले वर्ष इसी अवधि तक जिले में करीब 22 इंच वर्षा रिकॉर्ड हुई थी। ग्वालियर में भी शनिवार दोपहर तेज बारिश हुई, जिससे लोगों को उमस और चिपचिपी गर्मी से राहत मिली।

समृद्ध मध्यप्रदेश के लिए सेवा

डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि जबलपुर जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार सांदीपनि विद्यालय भी बनाये जायेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जबलपुर शहर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने के लिए यहां करीब 397 करो? रूपए के 5 विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगर निगम जबलपुर के स्वच्छता सर्वेक्षण पर केन्द्रित एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन कर यहां पात्र सैक?ों रेह?ी-पटरी-श्रमिक (स्ट्रीट वेंडर्स) हितग्राहियों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत डिजिटल क्रेडिट कार्ड्स भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर शहर में 362.31 करोड़ रुपये की लागत से तैयार %अमृत 1.0% सीवेज परियोजना का शुभारंभ कर कठौंदा, ललपुर और तेवर में बने तीन बड़े सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने जबलपुर की सिविल लाइन्स इलाके में 25 लाख रूपए की लागत से रजक समुदाय के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस मॉडर्न लॉन्ड्री एरिया का शुभारंभ कर गुरंदी बाजार क्षेत्र में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से बने अत्याधुनिक मत्स्य विक्रय केन्द्र का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर को %पुण्य नगरी% की उपमा देते हुए कहा कि हमारे देश और प्रदेश में कई तरह से विकास कार्य चल रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश का स्वर्णिम काल चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम %मन की बात% से आकाशवाणी को एक नई

तालाबों-जलाशयों पर तैरते हुए सोलर पैनल पैदा करेंगे बिजली...

नई दिल्ली/ए.। केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है. प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना यानी पीएम-एसएसवाई के तहत फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक प्रोजेक्ट के साथ एनर्जी स्टोरेज प्रणाली विकसित की जाएगी. इस योजना का कुल परिव्यय 5070 करोड़ रुपये रखा गया है।

यह कदम भारत की रीन्यूएबल एनर्जी कैपेसिटी को बढ़ाने और जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में बड़ा प्रयास माना जा रहा है. योजना का उद्देश्य जलाशयों और औद्योगिक तालाबों का बेहतर उपयोग करना है, ताकि भूमि की कमी की समस्या से बचा जा सके और स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन बढ़े। इस योजना के अंतर्गत 5,000 मेगावाट क्षमता की फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किए जाएंगे. इनके साथ कम से कम दो घंटे की एनर्जी स्टोरेज क्षमता यानी 10,000 मेगावाट का सिस्टम भी जोड़ा जाएगा. प्रोजेक्ट को वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 के बीच मंजूरी दी जाएगी. वित्तीय सहायता का भुगतान 2032-33 तक जारी रहेगा।

राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान के आकलन के अनुसार देश के जलाशयों और उपयुक्त जल निकायों में लगभग 102.18 गीगावाट पीक फ्लोटिंग सोलर क्षमता मौजूद है. वर्तमान में देश में फ्लोटिंग सोलर क्षमता केवल करीब 700 मेगावाट है, इसलिए यह योजना इसे कई गुना बढ़ाने का काम करेगी। इसके अलावा अध्ययन, बाथिमेट्री, हाइड्रोग्राफी, पर्यावरणीय अध्ययन और अन्य तैयारी कार्यों के लिए प्रति प्रोजेक्ट अधिकतम 50 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध होगी. सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि ये मौजूदा जलाशयों और तालाबों का उपयोग करती हैं. इससे दुर्लभ भूमि संसाधनों पर दबाव नहीं पड़ता. एनर्जी स्टोरेज प्रणाली के जुड़ने से ग्रिड की विश्वसनीयता मजबूत होगी, क्योंकि सौर ऊर्जा दिन के समय पैदा होती है. स्टोरेज से शाम या रात में भी बिजली उपलब्ध हो सकेगी। योजना से सालाना करीब 10 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होने का अनुमान है. साथ ही प्रोजेक्ट सीरीज में लगभग 16,000 से 17,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। फ्लोटेशन सिस्टम, सोलर सेल, मॉड्यूल और एनर्जी स्टोरेज प्रणालियों की पूरी वैल्यू चेन में आत्मनिर्भरता को समर्थन मिलेगा. इससे आत्मनिर्भर भारत के विजन को बल मिलेगा. जल संसाधनों का इष्टतम उपयोग होने के साथ-साथ राष्ट्रीय ऊर्जा और जलवायु उद्देश्यों की प्राप्ति में मदद मिलेगी।

फ्यूचर में क्या होगा?

भारत सौर ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन भूमि की उपलब्धता हमेशा चुनौती रही है. फ्लोटिंग सोलर इस समस्या का समाधान पेश करता है. जलाशयों पर पैनल लगाने से भाप बनना भी कम होता है, जो जल संरक्षण में सहायक है. एनर्जी स्टोरेज का एकीकरण रीन्यूएबल एनर्जी की अनियमितता को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हिमाचल को राहत, बिजली के रूप में मिलेगा बकाया

नई दिल्ली/शिमला। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) परियोजनाओं में हिमाचल प्रदेश के हिस्से को लेकर करीब छह दशक से चल रहे विवाद के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने एक नए कैशलेस सेटलमेंट का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत हिमाचल प्रदेश को उसके लंबित बिजली बकाये का भुगतान नकद के बजाय ऊर्जा (बिजली) के रूप में किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सुनवाई के दौरान बताया कि हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सरकारें केंद्र के प्रस्ताव से सिद्धांततः सहमत हैं, जबकि पंजाब सरकार ने इस पर आपत्ति जताई है। इस पर अदालत ने पंजाब को कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि उसे न्यायालय के आदेशों का पालन करना चाहिए और अपना स्पष्ट रुख दो सप्ताह के भीतर बताना होगा। मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी। जानकारी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के 2011 के फैसले के बाद बीबीएमबी परियोजनाओं

से हिमाचल को 7.19 प्रतिशत बिजली हिस्सा मिलना शुरू हो गया था, लेकिन 1966 से लेकर 2011 तक की अवधि का बकाया अभी तक नहीं मिला है। यह बकाया करीब 13,066 मिलियन यूनिट बिजली के बराबर है। केंद्र सरकार ने सुझाव दिया है कि पंजाब और हरियाणा यह बकाया राशि नकद देने के बजाय बिजली के रूप में चुकाएं।

प्रस्ताव के तहत 13,066 मिलियन यूनिट में से 12,000 मिलियन यूनिट से अधिक बिजली हिमाचल को देने की व्यवस्था की जा सकती है। पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के बाद बीबीएमबी परियोजनाओं में हिस्सेदारी को लेकर राज्यों के बीच विवाद बना रहा। समाधान नहीं निकलने पर हिमाचल प्रदेश ने 1996 में सुप्रीम कोर्ट में मूल वाद दायर किया था।

वाराणसी में राहुल गांधी, पप्पू यादव और सांसद अवधेश पर मुकदमा दर्ज

वाराणसी। पातालपुरी मठ, नरहरिपुरा के पीठाधीश्वर जगद्गुरु बालक देवाचार्य ने संसद परिसर में हुए एक राजनीतिक प्रदर्शन को लेकर थाना कोतवाली में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। इस मामले में पुलिस ने शनि?वार को दोपहर बाद मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस को दिए गए प्रार्थना-पत्र में आरोप लगाया गया है कि 31 जुलाई 2026 को संसद परिसर में हुए सार्वजनिक राजनीतिक प्रदर्शन के दौरान हिन्दू संत परंपरा, भगवान श्रीराम मंदिर तथा श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित पवित्र दान का प्रतीकात्मक एवं नाटकीय प्रदर्शन कर करोड़ों हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत किया गया। तहरीर में राहुल गांधी, राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव तथा फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद का नाम लेते हुए आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन के दौरान भगवा वस्त्र और हिन्दू संतों के स्वरूप का राजनीतिक उद्देश्य से उपयोग किया गया और भगवान श्रीराम के मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित दान को प्रदर्शन का विषय बनाया गया।

पप्पू यादव पर मुकदमा दर्ज कराने पहुंचे संत

वाराणसी। संसद परिसर में संत वेशभूषा धारण कर राजनीतिक प्रदर्शन का विरोध अब काशी तक पहुंच गया है। शनिवार को पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर महंत बालक दास के नेतृत्व में संत समाज का एक प्रतिनिधि मंडल कोतवाली थाने पहुंच कर सांसद पप्पू यादव समेत प्रदर्शन में शामिल अन्य नेताओं के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की। संतों का आरोप है कि संसद में संत का वेश धारण कर राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर किए गए राजनीतिक स्वांग से संत समाज की गरिमा को ठेस पहुंची है। इससे करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की धार्मिक भावनाएं भी आहत हुई हैं। संतों ने कहा कि विरोध दर्ज कराने के लिए लोकतांत्रिक तरीके अपनाए जा सकते हैं, लेकिन संतों की वेशभूषा और धार्मिक परंपराओं का राजनीतिक मंच पर इस तरह इस्तेमाल करना निंदनीय है।

बताया गया कि इससे हिन्दू आस्था, संत परंपरा और धार्मिक प्रतीकों का सार्वजनिक उपहास हुआ तथा समाज में धार्मिक तनाव और वैमनस्य फैलने की आशंका उत्पन्न हुई। इस संदर्भ में श?िकायत दर्ज कराते हुए मुकदमा दर्ज कराने की मांग की गई थी। अब मुकदमा दर्ज कर लि?या गया है। डीसीपी गौरव बंसवाल ने बताया कि इस संदर्भ में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

इस संदर्भ में प्रार्थी ने पुलिस से उपलब्ध वीडियो, समाचार प्रसारण और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का परीक्षण कर विधि के अनुसार प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने, निष्पक्ष विवेचना कराने तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। कोतवाली पुलिस ने प्रार्थना-पत्र प्राप्त कर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

भाजपा का 'अहंकार' बनाम जनता का आक्रोश : अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों बयानों और आरोपों का दौर तेज़ हो गया है। नीट पेपर लीक और उसके बाद जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन और उसके बाद पुलिस की बर्बरता को लेकर पक्ष-विपक्ष में आरोपों का दौर तेज है। इस दौरान संसद कूच के लिए निकले छात्रों और प्रदर्शनकारियों के ऊपर लाठियां भांजी गईं और आंसू गैस के गोलों के साथ पैलेट गन चलाने के गंभीर आरोप लगे। इस विपक्ष एक सुर में बोल रहा है तो सत्ता पक्ष इसे देश के खिलाफ उठी आवाज बता रहा है। हालांकि, इन सबके बीच शुक्रवार की रात पीएम मोदी ने एक वीडियो संदेश में प्रदर्शन के दौरान कथित आपत्तिजनक स्टेटमेंट देने वाले बच्चों को माफ करने की बात कही। इस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अगर भाजपाई दंडवत् माफ़ी भी मांगेंगे तो जनता कभी माफ नहीं करेगी। इसके अलावा अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर न केवल भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं, बल्कि पार्टी की कार्यशैली और उसके

राजनीतिक अहंकार और माफी पर तल्ख टिप्पणी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में जंतर-मंतर पर कथित रूप से अपशब्द कहे जाने वाले मामले में माफ़ी से जुड़ी खबरों पर भी अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने भाजपा की 'माफ़ी' वाली राजनीति को पुरानी और आउटडेटेड चाल बताया। सपा अध्यक्ष ने कहा, भाजपाइयों का सबसे बड़ा संकट ये है कि वे अब अगर जनता से दंडवत् माफ़ी भी मांगेंगे, तो भी जनता उन्हें माफ़ नहीं करेगी, क्योंकि उन्होंने अपने वादे कभी नहीं निभाए। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि पार्टी दूसरों पर माफ़ी मांगने के लिए दबाव बनाने की नकारात्मक राजनीति करती है, जिससे जनता का आक्रोश और अधिक बढ़ रहा है। अखिलेश ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, भाजपा का अहंकार ही उनकी सरकार को गिराएगा।

'समाज के तौर पर फेल', कंगना की दो-टूक

सीजेपी प्रोटेस्ट में गाली-गलौज करने वाली टीनएजर की माफी पर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली/ए.। अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत अपने मुखर विचारों के लिए जानी जाती हैं। वह सामाजिक, राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर बोलती हैं। बीते दिनों उन्होंने नीट परीक्षा को लेकर किए गए सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान कही गई अभद्र बातों पर नाराजगी जताई थी। इस दौरान एक युवा लड़की ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दी थी, अभद्र टिप्पणी की थीं। सोशल मीडिया ट्रोलिंग के बीच इस लड़की ने प्रधानमंत्री से माफी मांगी है। इस माफी पर कंगना ने भी प्रतिक्रिया दी है। एएनआई की खबर के मुताबिक नोएडा पुलिस ने प्रधानमंत्री के बारे में कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली लड़की के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की थी। सोशल मीडिया पर भी इस लड़की को गंदी और अभद्र बातें कहने के कारण ट्रोल किया जा रहा है।

कंगना ने समाज को दिया कड़ा संदेश

अपने इंस्टाग्राम पेज पर टीनएज लड़की के माफी वीडियो का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, 'वह मुश्किल से 15 साल की है, यह खुद बोल रही है उसने अपनी पूरी जिंदगी में मोदी जी के खिलाफ कभी कुछ पोस्ट नहीं किया। लेकिन उस दिन दोस्त उसे वहां ले गए और उन लोगों ने उसे गाली देने के लिए उकसाया। आप अपने बच्चों को बुरी फेमिनाजी और राक्षसी प्रवृति के वामपंथियों से बचाओ। हमें अपने बच्चों को उनसे बचाने की जरूरत है। खुद नोटिस करो एक भी स्कार्फ/बुर्का वाली बेटी ने भोंडा प्रदर्शन नहीं किया। लेकिन हमारी बेटियों को आसानी से भ्रमित किया जाता है, ऐसा क्यों? हम एक समाज के तौर पर कहीं फेल हो रहे हैं। हमें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए, हमें अपनी बेटियों को बचाना चाहिए।'

ई-20 पेट्रोल के खिलाफ 2 लाख हस्ताक्षरों के साथ पीएम आवास कूच करेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली/ए.। राजधानी दिल्ली में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के बाहर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने E20 पेट्रोल नीति के विरोध में एक बड़ा 'नेशनल टाउनहॉल' कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान केजरीवाल ने केंद्र सरकार की एथेनॉल-ब्लेंडेड पेट्रोल नीति पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि इसे बिना किसी ठोस वैज्ञानिक अध्ययन के जनता पर जबरन थोपा जा रहा है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस नीति के कारण आम लोगों की गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं और उनका माइलेज भी काफी कम हो गया है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग केंद्रीय मंत्रालय इस नीति पर अलग-अलग बयान दे रहे हैं, जिससे साफ होता है कि सरकार खुद इस फैसले को लेकर आश्वस्त नहीं है। कार्यक्रम में आप नेता सौरभ भारद्वाज ने भी केजरीवाल का समर्थन करते हुए कहा कि पेट्रोल पंपों पर लोगों को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वे शुद्ध पेट्रोल चुनना चाहते हैं या एथेनॉल मिला हुआ fuel। ग्राहक पर कोई भी नीति जबरदस्ती नहीं थोपी जानी चाहिए।

2 लाख से अधिक लोगों ने किए दस्तखत

टाउनहॉल में केजरीवाल ने बताया कि श्व20 नीति के खिलाफ शुरू की गई ऑनलाइन याचिका पर 2 लाख से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने ऐलान किया कि वह आने वाले मंगलवार, 4 तारीख को दोपहर 12 बजे इन सभी हस्ताक्षरों के प्रिंटआउट लेकर सीधे प्रधानमंत्री आवास जाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि वह अपने साथ ऐसे 100 निडर लोगों को लेकर चलेंगे जो पुलिस के लाठीचार्ज या जेल जाने से नहीं डरते, ताकि आम जनता की आवाज सीधे प्रधानमंत्री तक पहुंचाई जा सके।

तहसीन पूनावाला ने ई-20 ईंधन के खिलाफ खोला मोर्चा

सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन पूनावाला ने शनिवार को आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें ग्रेटर कैलाश में हाउस अरेस्ट किया। यह कार्रवाई केंद्र सरकार की ई-20 ईंधन नीति के खिलाफ उनके अकेले प्रदर्शन और भूख हड़ताल से पहले हुई। पूनावाला ने 27 जुलाई को एपीजे अब्दुल कलाम मार्ग से गांधी स्मृति तक पदयात्रा और शुक्रवार को एक दिन की भूख हड़ताल की घोषणा की थी। पूनावाला ने एक्स पर कई दृश्य साझा किए। उन्होंने दावा किया कि सुबह करीब 9.30 बजे पुलिस उनके घर पहुंची और उन्हें बाहर निकलने से रोका। पुलिस ने हिरासत के लिए कोई लिखित आदेश या दस्तावेज नहीं दिखाए। अधिकारियों ने कथित तौर पर बताया कि प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हो सकते हैं, इसलिए उन्हें रोका जा रहा था। एक तस्वीर में पूनावाला ने पुलिस अधिकारी से बिना आदेश हिरासत में लेने पर सवाल किया। पुलिस अधिकारी ने जवाब दिया कि प्रस्तावित प्रदर्शन से कानून और व्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती थी। पूनावाला ने एक्स पर आरोप लगाया कि उनके फ्लैट के बाहर जैमर लगाए गए थे, जिससे पत्रकारों को इंटरनेट सुविधा नहीं मिल रही थी।

काइनेटिक वाट्स एंड वोल्ट्स ने छत्तीसगढ़ में अपनी उपस्थिति को किया मजबूत

रायपुर। छत्तीसगढ़, जुलाई 2026: काइनेटिक इंडिया की इलेक्ट्रिक वाहन इकाई, काइनेटिक वाट्स एंड वोल्ट्स लिमिटेड ने आज रायपुर में अपनी नई डीलरशिप के शुभारंभ की घोषणा की। इस विस्तार के साथ कंपनी ने छत्तीसगढ़ में अपनी रिटेल उपस्थिति को और मजबूत किया है। यह विस्तार भारत के उभरते और उच्च संभावनाओं वाले बाजारों में ग्राहकों तक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को और अधिक सुलभ बनाने की कंपनी की रणनीति का एक महत्वपूर्ण कदम है।

नई डीलरशिप, काइनेटिक ईवी - श्याम मोटर्स, रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित है। यह डीलरशिप ग्राहकों को बिक्री, सर्विस और स्पेयर पार्ट्स की एकीकृत सुविधाओं के साथ सहज एवं व्यापक स्वामित्व अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित

की गई है। इस नई शुरुआत के साथ काइनेटिक का लक्ष्य रायपुर और आसपास के क्षेत्रों में व्यावहारिक, भरोसेमंद और किफायती इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करना है। रायपुर डीलरशिप छत्तीसगढ़ के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाजारों में काइनेटिक की मजबूत होती उपस्थिति को दर्शाती है, जहां बढ़ती जागरूकता, बदलती परिवहन आवश्यकताओं और सतत परिवहन के प्रति बढ़ती रुचि के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की गति लगातार बढ़ रही है। यह सुविधा समर्पित सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित है, जिससे ग्राहकों को प्रशिक्षित तकनीशियनों, असली स्पेयर पार्ट्स और निरंतर आफ्टर-सेल्स सपोर्ट की सुविधा प्राप्त होगी। यह ईवी स्वामित्व के प्रति दीर्घकालिक विश्वास निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रायपुर में हमारा विस्तार भारत भर में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अधिक सुलभ बनाने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रायपुर जैसे उभरते शहर इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं, जहां ग्राहक तेजी से भरोसेमंद, व्यावहारिक और किफायती मोबिलिटी समाधानों की तलाश कर रहे हैं। काइनेटिक की विश्वसनीय विरासत और दैनिक उपयोग को ध्यान में रखकर विकसित किए गए हमारे उत्पादों के साथ हमें विश्वास है कि हम इस क्षेत्र में मजबूत स्वीकार्यता प्राप्त करेंगे।

सीडब्ल्यूजी 2026: मेंस जैवलिन थ्रो में भारत का डबल धमाल, नीरज चोपड़ा ने जीता सिल्वर

नई दिल्ली/ए.। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने 85.83 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि यशवीर सिंह ने आखिरी प्रयास में 85.41 मीटर का थ्रो कर ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिराज ने 89.75 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

नीरज चोपड़ा ने पहले प्रयास में 80.97 मीटर का थ्रो किया। दूसरे प्रयास में उन्होंने 85.83 मीटर की दूरी तय कर सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसके बाद तीसरे और चौथे प्रयास में उन्होंने क्रमशः 81.29 मीटर और 80.73 मीटर का थ्रो किया। हालांकि, श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिराज 89.75 मीटर के शानदार थ्रो के साथ पहले स्थान पर रहे। यशवीर सिंह ने दूसरे प्रयास में 78.55 मीटर और तीसरे प्रयास में 81.33 मीटर का थ्रो किया। पांचवें प्रयास में उन्होंने 76.95 मीटर की दूरी तय की, लेकिन अंतिम प्रयास में 85.41 मीटर

का थ्रो कर न सिर्फ ब्रॉन्ज मेडल जीता, बल्कि अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ (पर्सनल बेस्ट) प्रदर्शन भी दर्ज किया। भारतीय खिलाड़ी रोहित यादव ने 81.56 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ प्रतियोगिता में सातवां स्थान हासिल किया। उन्होंने पहले प्रयास में 77.50 मीटर, दूसरे प्रयास में 81.56 मीटर, चौथे प्रयास में 73.70 मीटर और छठे प्रयास में 79.55 मीटर की दूरी तय की। इन दो पदकों के साथ भारत के कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में कुल 23 पदक हो गए हैं। इनमें 5 गोल्ड, 12 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज शामिल हैं। एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में भारत अब तक 11 पदक जीत चुका है। इसके अलावा जूडो में 3 (2 गोल्ड), वेटलिफ्टिंग में 8 और पैरा पावरलिफ्टिंग में 1 ब्रॉन्ज मेडल भारत के खाते में आया है।

दो दिनों में 'स्पाइडर मैन' के 100 करोड़ पार

मुंबई। बॉक्स ऑफिस पर हॉलीवुड फिल्म 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' की धूम है। ओपनिंग डे पर इसने कमाल किया था। दूसरे दिन भी इस फिल्म ने अच्छी कमाई की है। दो दिनों में ही इसने 100 करोड़ क्लब में एंट्री ले ली है। वहीं 'भाई तेरा स्टार है' ने निराश किया है। 'जन नायकन' और 'द ओडिसी' का कलेक्शन भी ठीक-ठाक रहा है। नई रिलीज हुई फिल्म 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' ने दूसरे दिन 49.35 करोड़ रुपये कमाए हैं। पहले दिन इसने 60.60 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इसका टोटल कलेक्शन 109.95 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म में टॉम हॉलैंड एक बार फिर से स्पाइडर मैन के रोल में नजर आए हैं। इसके निर्देशक डेस्टिन डेनियल क्रेटन हैं। यह फिल्म भारत में हिंदी, अंग्रेजी के अलावा कन्नड़, मलयालम, तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी रिलीज हुई है।

भाई तेरा स्टार है

बॉलीवुड फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' ने दूसरे दिन 25 लाख रुपये कमाए हैं। पहले दिन इसने बॉक्स ऑफिस पर 25 लाख रुपये से ओपनिंग की थी। इसमें राघव जुयाल लीड रोल में नजर आए हैं। इसके निर्देशक

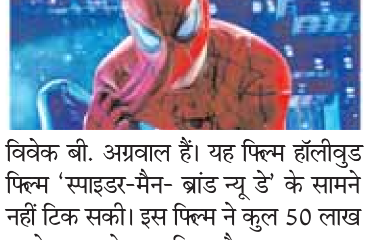

विवेक बी. अग्रवाल हैं। यह फिल्म हॉलीवुड फिल्म 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' के सामने नहीं टिक सकी। इस फिल्म ने कुल 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया है।

जन नायकन

सीएम विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायकन' ने रिलीज के नौवें दिन 3.55 करोड़ रुपये कमाए हैं। आठवें दिन इसने 3.98 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म का कुल कलेक्शन 157.10 करोड़ रुपये हो चुका है। इस फिल्म को सबसे ज्यादा दर्शक तमिलनाडु में मिल रहे हैं।

द ओडिसी

हॉलीवुड फिल्म 'द ओडिसी' ने शुक्रवार, यानी रिलीज के पंद्रहवें दिन 3.15 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं चौदहवें दिन इसने 2.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इस फिल्म का कुल कलेक्शन 138.40 करोड़ रुपये हो चुका है।

करोड़ों का नकली पनीर पचा गए लोग

मानना पड़ेगा हम छत्तीसगढ़ के लोगों का हाजमा जबरदस्त है। करोड़ों रुपये का नकली पनीर पचा गए लेकिन किसी का बाल भी बांका नहीं हुआ। इसकी वजह यह है कि हम लंबे समय से नकली और मिलावटी खाद्य व पेय पदार्थों का सेवन करने के कारण इसके आदी हो गए हैं। हमारी सेहत पर इसका कोई असर ही नहीं पड़ता। जहर खा-खाकर हम इतने जहरीले हो गए हैं कि अगर हमें सांप भी काट ले हम नहीं मरेंगे, उल्टे सांप ही टैं बोल जाएगा। बहरहाल देर से ही सही प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जन स्वास्थ्य की चिंता की है। करोड़ों के नकली पनीर के कारोबार पर अंकुश लगाया है। अब प्रदेश में एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके साथ ही मिलावट रोकने कड़ी कार्रवाई की घोषणा भी की गई है। पर लाख टके का सवाल यह है कि बिल्ली के गले में घंटी बांधेगा कौन? प्रदेश के दर्जन भर जिलों में तो लंबे समय से फूड सिक्योरिटी ऑफिसर के पद रिक्त पड़े हैं। जहां ये पदस्थ हैं उनमें से अधिकांश अवैध वसूली में मस्त हैं। फिर भी स्वास्थ्य मंत्री की बात पर भरोसा करना चाहिए कि वे मिलावटखोरों की नाक में नकेल कसेंगे। इस बीच मिलावटी चीजों का सेवन करने के आदी लोगों को शुद्ध खाद्य पदार्थ खाने की आदत डाल लेनी चाहिए। शुरू में अटपटा लगेगा फिर इसकी भी आदत पड़ जाएगी।

मानसून ने खोली ढोल की पोल

छत्तीसगढ़ में मानसून ने थोड़ी देर से दस्तक दी लेकिन कुछ ज्यादा ही दुरुस्त दस्तक दे दी। नदी-नाले सब उफान पर आ गए और बारिश राहत देने के साथ ही आम लोगों के लिए आफत बन गई। खास लोगों के लिए तो भारी मुसीबत बन गई क्योंकि बारिश की पहली फुहार ने ढोल की पोल खोल कर रख दी। करोड़ों का बजट पाने वाले नगरीय निकायों की अकर्मण्यता उस समय उजागर हो गई जब सड़कें नालों के रूप में तब्दील हो गईं और लोगों के घरों में घुटनों तक पानी भर गया। सरकारी विभागों का भ्रष्टाचार भी पानी में धुलकर उजागर हो गया। करोड़ों की लागत से बनी सड़कें बह गईं। पुल और पुलिया भरभरा कर औंधे मुंह गिर गए। जर्जर सरकारी शाला भवन खंडहर बन गए। सबसे बड़ी क्षति तो गरियाबंद जिले में हुई। वहां उदंती नदी पर नौ करोड़ की लागत से निर्माणाधीन पुल जमींदोज हो गया। यह पुल ओडिशा सरकार बना रही थी इसलिए छत्तीसगढ़ सरकार भ्रष्टाचार के आरोप से बच गई लेकिन छत्तीसगढ़ में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जो साबित करती हैं कि यहां भी निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार का नंगा नाच चल रहा है।

अटल जी को भी नहीं बख्शा भ्रष्टासुरों ने

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, जिन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य बनाया, उनको भी भ्रष्टासुरों ने नहीं बख्शा। अटलजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने प्रदेश में जगह-जगह अटल परिसर बनाए गए। जहां अटलजी की कांस्य प्रतिमा लगाई जानी थी। किंतु इसमें भी घोटालेबाज खेला करने से बाज नहीं आए। कोरबा जिले के कटघोरा के अटल परिसर में लगी अटलजी की कांस्य प्रतिमा पर जब मूसलाधार बारिश की बौछार पड़ी तो यह हकीकत सामने आ गई कि कांस्य प्रतिमा की जगह सीमेंट की प्रतिमा लगाई गई थी, जिस पर तांबा कलर चढ़ाकर लाखों रुपये डकार लिए गए। सोशल मीडिया में इस घटना पर बस्तर के एक कांग्रेसी ने चुटकी ली कि- अरे भाई अटलजी को तो छोड़ देते... तो इस पर गुस्से से भरे एक भाजपाई ने प्रतिक्रिया दी कि - इनका वश चले तो ये भगवान को भी न छोड़ें। वाकई अपनी मूर्ति के नाम पर हो रहे भ्रष्टाचार को देखकर अटलजी की आत्मा कलप रही होगी। अब तो पूरे प्रदेश में अटलजी की प्रतिमाओं की जांच कराई जानी चाहिए, ताकि पता चले कहां-कहां गड़बड़झाला हुआ है। पेपर लीक की तरह ही प्रतिमा लीक के इस मामले की पड़ताल जरूरी है।

सिस्टम का 'प्रसव मोड़'

वाह! क्या लाजवाब विकास है! सूरजपुर के धुरिया गांव में प्रशासन ने 'डिजिटल इंडिया' को सीधा 'खेत इंडिया' से जोड़ दिया। अतिक्रमणकारी ने रास्ता रोका, तो अफसरों ने अपनी आंखें मूँद लीं। आखिर काम का बंटवारा तो होना ही चाहिए ना! परिवार तीन महीने तक साहबों के दफ्तर के चक्कर लगाता रहा, लेकिन फाइलों का पेट इतना भरा हुआ था कि साहबों की 'संवेदनशीलता' नौ महीने में भी पैदा न हो सकी। बेचारी कुदरत को ही शर्म आ गई, सो उसने सरकारी अनुमति का इंतजार किए बिना खेत को ही 'मैटरनिटी वार्ड' बना दिया। अरे भाई, जब एम्बुलेंस दलदल में फंस सकती है, तो अस्पताल जाने का झंझट क्यों पालना? सीधे खेत में ही किलकारी गूंजवा दी! अब क्या? अब कागजों का प्रसव होगा–जांच कमेटियां बैठेंगी, रिपोर्टों की नाल काटी जाएगी और वादों का झुनझुना थमा दिया जाएगा। प्रशासन को इस नए 'खेत-प्रसूति मॉडल' के लिए शत-शत नमन! अगली बारिश तक शायद रास्ता खुल जाए, तब तक के लिए फाइलें सो रही हैं, आप भी सो जाइए।

बस्तर का सम्मान और कांग्रेसी 'एलर्जी'

वाह! बस्तर की समृद्ध संस्कृति जब राष्ट्रपति भवन की दहलीज़ लांघकर पूरे देश का दिल जीत रही थी, तब कुछ लोगों की 'राजनीतिक खुजली' चरम पर पहुँच गई। आखिर जिस आदिवासी समाज को दशकों तक सिर्फ चुनावी पोस्टरों, भावुक भाषणों और वोट बैंक के बक्से में बंद रखा गया, वह अचानक राष्ट्रीय मंच पर चमचमाने कैसे लगा? वनमंत्री केदार कश्यप का सवाल एकदम सटीक है–बस्तर का सम्मान कांग्रेस को इतना चुभ क्यों रहा है? शायद तकलीफ इस बात की है कि जो बस्तर कल तक सिर्फ हिंसा और पिछड़ेपन की खबरों से पहचाना जाता था, आज वह अपनी गौरवशाली परंपराओं के दम पर राष्ट्रपति के साथ फोटो खिंचवा रहा है। वर्षों तक बस्तर को विकास की मुख्यधारा से दूर रखने वाले अब 'बस्तर पंडुम' पर मुफ्त का ज्ञान बाँट रहे हैं। यह तो वही बात हो गई कि परीक्षा में फेल हुआ छात्र टॉपर को पढ़ाई का तरीका सिखा रहा हो! कांग्रेस उपहास उड़ाती रहे, लेकिन जनता सब देख रही है।

मैडम की 'संस्कार' पाठशाला!

अंबिकापुर के एक नामी प्राइवेट स्कूल ने शिक्षा क्षेत्र में क्रांति ही ला दी है! अब तक बच्चे 'राम एक अच्छा लड़का है' लिखते थे, लेकिन मैडम जी ने अनुशासन का नया 'डिजिटल अवतार' खोज निकाला–माँ की गाली हिंदी और अंग्रेजी में 100-100 बार लिखो, और हाँ, नीचे मम्मी-पापा के दस्तखत भी कराओ! वाह! इसे कहते हैं होम-वर्क का 'सत्यापित डिजिटल ज्ञान'। दो बच्चे लड़े, तो मैडम को लगा कि ज्ञान कहीं अधूरा न रह जाए, इसलिए 200 बार अभ्यास की सुलेख प्रतियोगिता करा दी। स्कूल प्रबंधन को तो अब नए विषय का श्रीगणेश कर देना चाहिए–'अपशब्द लेखन एवं अभिभावक सत्यापन'। बच्चे घर से संस्कार सीखने गए थे, मगर मैडम ने 'अपशब्दों की टाइपिंग स्पीड' बढ़ा दी। अब मामले की 'जांच' बिठाई गई है। देखना यह है कि मैडम पर कोई कार्रवाई होगी या इसे 'बच्चों का रचनात्मक एक्स्ट्रा-करिक्युलर असाइनमेंट' बताकर फाइल बंद कर दी जाएगी!

'लव-नेटवर्क' और टावर!

वाह! सूरजपुर के बिहारपुर थाने में पुलिस को अचानक अपना असली 'मिशन' समझ आ गया–अपराधियों को बाद में पकड़ेंगे, पहले 'भागे हुए मजनूं' को रिकवर करेंगे! विवाद क्या हुआ, मैडम सीधे थाने के मोबाइल टावर पर चढ़ गईं। मैसेज एकदम क्लियर था–प्रेमी लाओ, वरना मैं नीचे लैंड कर जाऊंगी! पुलिस बेचारी कानून की किताबें दिखाती रही, पर मोहब्बत को सरकारी 'प्रोसीजर' की धीमी स्पीड कहाँ समझ आती है? थाने में हड़कंप ऐसा मचा मानो प्रेमी नहीं, पूरी पुलिसिंग का वायरलेस सिस्टम ही हैक हो गया हो। अब साहबों की दो ही प्राथमिकताएं थीं–एक तो मजनूं को 'ट्रैक' करना और दूसरी मैडम को सुरक्षित 'डाउनलोड' करना। सही कहा है, प्यार में जब रिश्तों का नेटवर्क कमजोर पड़ता है, तो लोग सीधे टावर ही पकड़ लेते हैं! शुक्र है पुलिसकर्मियों ने समझदारी दिखाई और टावर पर चढ़कर मैडम को नीचे उतारा, वरना आशिकी के इस चक्कर में 'सिस्टम' का ही सिग्नल उड़ जाता!

हेडमास्टर साहब का 'अश्लील' ज्ञान!

जांजगीर-चांपा के इस सरकारी स्कूल में हेडमास्टर साहब ने शिक्षा का ऐसा 'नया पाठ्यक्रम' शुरू किया कि शर्म भी कोने में जाकर रोने लगी! विद्यालय में किताबें खुलनी थीं, पर साहब कुर्सी पर अर्धनग्न बैठकर अपनी तमाम मर्यादाएं खोल रहे थे। मासूम छात्राओं के सामने आपत्तिजनक हरकतें और बेशर्मी का प्रदर्शन! जब डरे-सहमे बच्चे घर पहुँचे और गुस्सैल अभिभावक स्कूल पहुँचे, तब भी साहब उसी 'शाही पोशाक' में ऐंठ रहे थे। लेकिन अहा! जैसे ही मोबाइल का कैमरा ऑन हुआ, साहब को झटके से कपड़े, पद और अपनी प्रतिष्ठा तीनों याद आ गए। कैमरे का जादू देखिए, उतरता हुआ नशा और ढोंग एक पल में रफूचक्कर हो गया! अब 'जांच' का वही पुराना सरकारी ढोल बजाया जा रहा है। पर सवाल यह है कि अफसर स्कूलों का दौरा करने जाते हैं या सिर्फ हाजिरी रजिस्टर की धूल झाड़ने? ऐसे गुरुजी को तो अब ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि अगली बार कुर्सी भी 'मर्यादा' का पाठ खुद याद रखे!

सेंट्रल जेल में 'नशा मार्ट'

रायपुर सेंट्रल जेल के बाहर परिजनों ने 'होम डिलीवरी' का ऐसा क्रांतिकारी मॉडल खोज निकाला कि बड़ी-बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियां भी शर्म से पानी-पानी हो जाएं! कहीं प्याज को खोखला करके गांजा ठूंसा गया, तो कहीं साबुन की टिकिया में नशीली गोलियों का 'सरप्राइज पैक' छुपाया गया। बिस्किट के पैकेट की ऐसी री-पैकिंग की गई कि कंपनी का मालिक भी पहचान न पाए! जेल को सुधारगृह की जगह परिजनों ने 'ऑनलाइन नशा मार्ट' समझ लिया था–ऑर्डर अंदर बंद मजनूं का, कलाकारी बाहर परिजनों की! लेकिन वाह रे तलाशी दस्ता, जिन्होंने प्याज के साथ-साथ इन तस्करों की चालाकी भी छीलकर रख दी। अब बाहरी सामान बंद और कैंटीन से सस्ते में खरीदारी चालू। परिजनों की 'क्रिएटिविटी' भले ही बेकार हो गई हो, पर संदेश एकदम साफ़ है–अगर अब जेल में चालाकी का प्याज लेकर जाओगे, तो बिना काटे ही आँसू बहाओगे!

न्यूज गैलरी

सिंहस्थ-2028 : बस, कार और दोपहिया वाहनों की अलग-अलग पार्किंग होगी, संभागायुक्त ने दिए निर्देश

उज्जैन/नवप्रदेश। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर शनिवार को मेला कार्यालय सभागार में संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह की अध्यक्षता में समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में मेले के दौरान सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बस, कार और दोपहिया वाहनों की अलग-अलग पार्किंग योजना तैयार करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। बैठक में पार्किंग, पेयजल, शौचालय, चेंजिंग रूम, भोजन-नाश्ता, टेंट, संचार, यातायात प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की विभागवार समीक्षा की गई। संभागायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 से जुड़े सभी निर्माण एवं विकास कार्य तय समय पर पूरे किए जाएं। बैठक में मेला क्षेत्र में पेयजल पाइपलाइन और सीवरेज लाइन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा नव-निर्मित घाटों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में डीआईजी नवनीत भसीन, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कुमट, उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी, एमपीआईडीसी के निदेशक राजेश राठौर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गोचर भूमि आवंटन में अनियमितता की शिकायत पर जांच के आदेश

नागदाजं./नवप्रदेश। नागदा-खाचरौद क्षेत्र में गोचर, चारागाह एवं शासकीय भूमि के कथित नियमविरुद्ध आवंटन और फर्जी ग्रामसभा कार्रवाई के आरोपों पर प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं। पूर्व विधायक दिलीपसिंह गुर्जर की शिकायत पर कलेक्टर (खनिज शाखा) ने एसडीएम नागदा-खाचरौद और जनपद पंचायत खाचरौद के सीईओ को 1 जनवरी 2024 के बाद स्वीकृत एवं लंबित उत्खनन पट्टों का भौतिक सत्यापन कर निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कई ग्राम पंचायतों में गोचर और शासकीय भूमि के आवंटन में अनियमितताएं कर फर्जी एनओसी के आधार पर खनन पट्टे स्वीकृत किए गए। साथ ही ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि खनन गतिविधियों से चारागाह भूमि प्रभावित होने के कारण पशुपालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नागदा में शांति समिति की बैठक, त्योहार सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील

नागदा जं./नवप्रदेश। आगामी मोहर्रम, 40वां पर्व, सावन सोमवार एवं श्रावण मास के धार्मिक आयोजनों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार शाम पुरानी धान मंडी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम, सीएसपी, तहसीलदार, थाना प्रभारी, नगर पालिका सीएमओ, विद्युत विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, ताजिया एवं अखाड़ा समितियों के पदाधिकारी, डीजे संचालक तथा धार्मिक आयोजनों के संयोजक मौजूद रहे। अधिकारियों ने शासन एवं जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुए आयोजकों से निर्धारित मार्ग और समय का पालन करने, बिना अनुमति मार्ग परिवर्तन नहीं करने,

ध्वनि विस्तारक यंत्रों का नियमानुसार उपयोग करने तथा सोशल मीडिया पर भड़काऊ या आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित नहीं करने की अपील की। साथ ही किसी भी विवाद या समस्या की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने के निर्देश दिए गए। बैठक में सभी आयोजन समितियों और नागरिकों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने तथा आगामी सभी त्योहार आपसी भाईचारे, शांति और सामाजिक सौहार्द के साथ मनाने का संकल्प लिया।

महाकाल में वीआईपी दर्शन और भस्म आरती पास को लेकर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, रोकी वीवीआईपी गाड़ियां

एसडीएम को सौंपा आठ सूत्रीय ज्ञापन, इन्फ्लुएंसर के गर्भगृह में जाने और पास की कालाबाजारी पर उठाए सवाल

उज्जैन/नवप्रदेश। महाकालेश्वर मंदिर की दर्शन और प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार तथा पारदर्शिता की मांग को लेकर युवा कांग्रेस ने वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष प्रितेश शर्मा के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम रंजना पाटीदार को ज्ञापन सौंपा। मंदिर के नीलकंठ द्वार से अंदर की ओर बढ़ते हुए कार्यकर्ताओं ने शंख द्वार की तरफ से आ रही वीवीआईपी गाड़ियों को भी रोककर अपना विरोध दर्ज कराया। युवा कांग्रेस उत्तर विधानसभा अध्यक्ष यश जैन ने बताया कि श्रावण मास में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए आम जनता के लिए प्रोटोकॉल दर्शन बंद कर दिए गए हैं, लेकिन वीआईपी, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और प्रभावशाली व्यक्तियों को अभी भी नंदी हॉल और चांदी द्वार से दर्शन कराए जा रहे हैं। आठ सूत्रीय मांगों को

लेकर दिए गए इस ज्ञापन में मांग की गई है कि दर्शन व्यवस्था सभी के लिए समान हो और वीआईपी परिवारों को मिलने वाली विशेष सुविधा तुरंत बंद की जाए। प्रतिदिन वितरित होने वाली लगभग 2500 भस्म आरती अनुमति की सूची सार्वजनिक कर इसकी पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाए और कालाबाजारी की निष्पक्ष जांच हो। इसके अलावा मोबाइल प्रतिबंध का नियम अधिकारियों, कर्मचारियों और वीआईपी पर भी लागू करने, बाहर सुरक्षित मोबाइल जमा व्यवस्था बनाने और दिल्ली के इन्फ्लुएंसर अक्षय आनंद द्वारा गर्भगृह में जाकर वीडियो वायरल करने के मामले में अनुमति देने वाले दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है। युवा कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र आवश्यक कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बबलू खिच्ची, पूर्व प्रदेश महासचिव नरेंद्र मालवीय, युवा कांग्रेस के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दीपेश जैन, एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष बोराना, एनएसयूआई के पूर्व जिलाध्यक्ष अम्बर माथुर, युवा कांग्रेस के मुकुल घुरईया, घटिया विधानसभा अध्यक्ष शेरसिंह चौहान, सोनू परमार, सूर्या गहलोत, योगांश शर्मा, आदित्य धेपते, गौतम बैरागी, वासुदेव पटेल, विवेक गुर्जर, उत्सव शर्मा, निखिल शर्मा, हर्षवर्धन राठौर, ऋषि राठौर और अभिषेक खंडेलवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उज्जैन में मैं भी स्वदेशी समर्थक डिजिटल अभियान शुरू, ढाई लाख लोगों को जोड़ने का लक्ष्य

उज्जैन/नवप्रदेश। स्वदेशी जागरण मंच और स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार से देशव्यापी %मैं भी स्वदेशी समर्थक% डिजिटल जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ हुआ। 20 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान के तहत मालवा प्रांत में 20 लाख नए स्वदेशी समर्थक जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि उज्जैन जिले में ढाई लाख नागरिकों को अभियान से जोड़ने की योजना बनाई गई है।

प्रांत सहसंयोजक दिलीप सिंह चौहान ने बताया कि अभियान का उद्देश्य आमजन को स्वदेशी आंदोलन से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को गति देना है। इसके माध्यम से देश के उद्यमियों, एमएसएमई, स्टार्टअप, स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी नवाचारों को बढ़ावा दिया जाएगा। अभियान में नागरिक ऑनलाइन लिंक या क्यूआर कोड के माध्यम से अपना पंजीयन करा सकेंगे। पंजीयन पूरा होते ही उन्हें तत्काल स्वदेशी समर्थक का डिजिटल प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। युवा आयाम प्रमुख हिमांशु सिंह कुशवाह ने कहा कि यह अभियान केवल स्वदेशी उत्पादों के उपयोग तक सीमित नहीं, बल्कि स्थानीय उद्योगों को मजबूती देने, युवाओं में स्वाभिमान जगाने और भारत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का जनआंदोलन है। अभियान की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए आयोजित बैठक में प्रदीप तिवारी, महेश पाटीदार, गोपाल सिंह जादौन, नंदकिशोर मंडलोई, अजय त्रिवेदी, प्रकाश पुरोहित सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

3 अगस्त को निकलेगी बाबा महाकाल की पहली शाही सवारी, प्रशासन ने पूरी की तैयारियां

उज्जैन/नवप्रदेश। श्रावण मास के पहले सोमवार, 3 अगस्त को भगवान महाकाल की पहली शाही सवारी पूरे वैभव और श्रद्धा के साथ निकलेगी। पालकी में विराजमान होकर बाबा महाकाल नगर भ्रमण करेंगे और श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। सवारी को लेकर प्रशासन ने मार्ग सुधार, सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। ईदगाह मार्ग के चौड़ीकरण से श्रद्धालुओं की आवाजाही भी अधिक सुगम होगी।

सवारी का शुभारंभ दोपहर 3:30 बजे सभा मंडप में भगवान चंद्रमौलेश्वर के पूजन से होगा। शाम 4 बजे पालकी महाकाल मंदिर से प्रस्थान करेगी और गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी होते हुए रामघाट पहुंचेगी। यहां क्षिप्रा तट पर अभिषेक एवं आरती के बाद सवारी रामानुजकोट, कार्तिक चौक, ढाबा रोड, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी चौराहा होते हुए शाम करीब 7-15 बजे पुनः महाकाल मंदिर पहुंचेगी।

श्रद्धालुओं में पहली शाही सवारी को लेकर भारी उत्साह है। मान्यता है कि श्रावण-भाद्रपद में निकलने वाली बाबा महाकाल की सवारी के दर्शन से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं -21 , सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया भोपाल से मुद्रित कर, ए-182, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित मो- 9425237314, Email- navpradeshbhopal@gmail.com (न्याय क्षेत्र भोपाल)